



बिना गुरु के किसी को भगवान का नाम नहीं मिला है।

—गुरु गोबिंद सिंह

मूल्य ₹ 3/-

● वर्ष: 12 ● अंक 252 पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, बुधवार 21 अक्टूबर, 2026

दिव्यांगता भी नहीं रोक पाई... 7 ओडिशा में भाजपा सरकार पर बीजद... 3 अगर में भाजपा प्रत्याशी के समर्थक... 2

परिसीमन के चक्रव्यूह में फंस गयी मोदी सत्ता एनडीए सरकार की उलटी गिनती शुरू

- » एलओपी राहुल गांधी की भविष्यवाणी, दक्षिण की सियासत और नायडू की नाराजगी के कयासों से दिल्ली में हलचल
- » एक विधेयक दांव पर सरकार का सियासी गणित
- » संजय राउत के एक बयान से दिल्ली में हलचल
- 4पीएम न्यूज नेटवर्क

नई दिल्ली। संसद में बहुमत की ताकत दिखाने वाली मोदी सरकार के सामने अब एक ऐसा सियासी सवाल खड़ा हो रहा है जिसका जवाब दिल्ली की सत्ता के गलियारों में नहीं बल्कि दक्षिण भारत की राजनीतिक करवट से निकल रहा है। प्रस्तावित परिसीमन विधेयक सत्ता के लिए महज सीटों की संख्या बढ़ाने का मामला नहीं रह गया है। यह दक्षिण भारतीय राज्यों की राजनीतिक हिस्सेदारी केंद्र और राज्यों के रिश्तों तथा राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के भीतर भरोसे की परीक्षा बनता जा रहा है। अप्रैल में संविधान संशोधन से जुड़ा प्रस्तावित विधेयक लोकसभा में जरूरी दो तिहाई समर्थन नहीं जुटा पाया था। अब अक्टूबर के अंत तक इसे फिर लाने की चर्चाओं के बीच सरकार विपक्षी दलों से समर्थन जुटाने की कोशिश कर रही है।

राहुल गांधी की भविष्यवाणी और बदलती राजनीतिक परिस्थितियां

राहुल गांधी लगातार मोदी सरकार के भविष्य को लेकर राजनीतिक दावे कर रहे हैं। ऐसे में परिसीमन का विवाद विपक्ष को नया मुद्दा दे रहा है। दक्षिण के दलों का आशंका है कि आबादी के आधार पर सीटों का पुनर्वितरण उनके राजनीतिक प्रभाव को कमजोर करे जाने की राजनीतिक साजिश चल रही है। इसलिए दक्षिण की राजनीतिक पार्टियां अपने मन मुताबिक को मुलाकात एक हो रही है। इनमें वह राजनीतिक दल भी शामिल हैं जो सरकार को सपोर्ट कर रहे हैं। इस पूरे मुद्दे पर सरकार का पक्ष है कि प्रस्तावित व्यवस्था में दक्षिण राज्यों की सीटें भी बढ़ेंगी और उनकी कुल हिस्सेदारी लगभग बरकरार रखी जा सकती है। इसी दृष्टिकोण के बीच चंद्रबाबू नायडू और दूसरे क्षेत्रीय नेताओं की अगली चाल पर नजर टिकी है।

अपनी ठपली अपना राग

मोदी सरकार के सहयोगियों के सामने भी अपनी-अपनी राजनीतिक मजबूरियां हैं तो दूसरी तरफ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के भीतर क्षेत्रीय सहयोगियों की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। चंद्रबाबू नायडू और नीतीश कुमार जैसे नेताओं का राजनीतिक महत्व इस बात से भी जुड़ा है कि केंद्र की राजनीति में उनके दलों का समर्थन कितना निर्णायक रहता है। वहीं परिसीमन बिल पर सरकार के पक्ष में अभी नंबर नहीं जुट रहे। करीब 36 सांसदों की कमी है। वाईएसआरसीपी और बीजेडी के भी राहुल गांधी के साथ जाने की संभावना बढ़ गई है। जगन के सूर बदल चुके हैं। बीजेपी भी बीजेपी से दूरी बना सकती है।

विपक्ष की नई गोलबंदी मोदी के कुनबे में बेचैनी

भारतीय राजनीति का पहला दिनचर्या मोड़ पर खड़ा है। एक दौर था जब विपक्षी दलों की राजनीति का बड़ा हिस्सा कांग्रेस के विरोध के इर्द-गिर्द घूमता था। क्षेत्रीय पार्टियां कांग्रेस से मुकाबले के लिए अपने-अपने राज्यों में मजबूत हुयी कई दलों ने कांग्रेस को सत्ता से बाहर करने के नाम पर राजनीतिक जमीन तैयार की। लेकिन आज तस्वीर में बदलाव के संकेत दिखाई दे रहे हैं। राहुल गांधी अब केवल कांग्रेस के नेता नहीं बल्कि विपक्षी एकजुटता की बहस के केंद्र में भी नजर आ रहे हैं। उद्धव ठाकरे, शरद पवार, ममता बनर्जी, अखिलेश यादव और तेजस्वी यादव जैसे नेताओं के साथ विपक्षी राजनीति में तालमेल की संभावनाएं इस चर्चा को हवा दे रही हैं। तमिलनाडु के नेता विजय थलपति का नाम भी राष्ट्रीय राजनीतिक समीकरणों के संदर्भ में चर्चा में है। इन सभी नेताओं ने राहुल गांधी को प्रधानमंत्री बनाने का औपचारिक समर्थन करने के बाद

राहुल के पथ में मंजूर बन चुका है। राहुल गांधी की राजनीतिक यात्रा में आलोचना चुनौती हर संभावनात्मक चुनौतियां और नेतृत्व पर सवाल लगातार रहे हैं। मगर अब विपक्षी राजनीति के केंद्र में उनके बने रहने को कांग्रेस के लिए एक अवसर के रूप में देखा जा रहा है। संसद से लेकर चुनावी मुद्दों

तक राहुल गांधी लगातार सरकार को घेर रहे हैं। यह बदलाव केवल किसी एक नेता को प्रधानमंत्री पद का दावेदार बनाने की कसबानी नहीं है। असली सवाल यह है कि क्या विपक्ष अपने क्षेत्रीय हितों और नेतृत्व संबंधी मतभेदों से ऊपर उठकर कोई साझा राजनीतिक एजेंडा

उद्धव ठाकरे, शरद पवार, ममता बनर्जी, अखिलेश यादव और तेजस्वी यादव जैसे नेताओं के साथ विपक्षी राजनीति में तालमेल की संभावनाएं इस चर्चा को हवा दे रही हैं।

तैयार कर सकता है? यदि ऐसा होता है तो मुकाबला सिर्फ बीजेपी बनाम कांग्रेस नहीं रहेगा बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर सत्ता और विपक्ष के बीच व्यापक राजनीतिक टक्कर का रूप ले सकता है।



अप्रैल में अटक गया था परिसीमन का दांव अब नए ड्राफ्ट की तैयारी

परिसीमन विधेयक को लेकर केंद्र सरकार की मुश्किलें अप्रैल 2026 में ही सामने आ गई थी। सरकार ने लोकसभा में परिसीमन विधेयक 2026 और इससे जुड़ा संविधान (13वां संशोधन) विधेयक पेश किया था। हालांकि संविधान संशोधन के लिए जरूरी दो तिहाई समर्थन नहीं मिलने के कारण 17 अप्रैल को यह प्रस्ताव पारित नहीं हो सका। इस घटनाक्रम ने

साफ कर दिया कि लोकसभा की सीटों के पुनर्गठन का मुद्दा महज संवैधानिक प्रक्रिया नहीं बल्कि देश के राजनीतिक संतुलन से जुड़ा बड़ा सवाल बन चुका है। विधेयक को लेकर दक्षिण भारतीय राज्यों की विताएं सरकार के सामने बड़ी चुनौती हैं। इन राज्यों को आशंका है कि यदि परिसीमन में आबादी को प्रमुख आधार बनाया गया तो जनसंख्या नियंत्रण में बेहतर

प्रदर्शन करने के बावजूद संसद में उनका राजनीतिक प्रभाव कमजोर पड़ सकता है। दूसरी ओर केंद्र सरकार की ओर से पहले पेश किए गए प्रस्ताव में लोकसभा की कुल सीटें बढ़ाकर 816 करने और दक्षिणी राज्यों की सीटें भी बढ़ाने की बात कही गई थी।

राहुल लौटेंगे सत्ता बदलेगी : संजय राउत

शिवसेना (यूबीटी) के वरिष्ठ नेता और राज्यसभा सांसद संजय राउत ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा है कि राहुल गांधी को वियतनाम जैसे से वापस आने दीजिए आप देखेंगे कि रिजिमी चेंज हो जाएगा आप देखते रहिए। राउत का यह बयान महज एक राजनीतिक टिप्पणी नहीं है इसके

पीछे विपक्ष की बड़ी राजनीति का संकेत छिपा है। खास बात यह है कि हाल के दिनों में सत्ता परिवर्तन को लेकर विपक्षी नेताओं की बयानबाजी लगातार चर्चा में रही है। राहुल गांधी चुनावी प्रक्रिया और लोकतांत्रिक संस्थाओं से जुड़े सवालों पर सरकार को घेरते रहे हैं वहीं इंडिया गठबंधन भी अपने विरोध प्रदर्शनों के जरिए राजनीतिक दबाव बनाने की कोशिश कर रहा है।

आगरा में भाजपा प्रत्याशी के समर्थक बनाए जा रहे हैं पीठासीन अधिकारी : सपा

» मतदान की गोपनीयता और निष्पक्षता पूरी तरह से खतरे में

» मुख्य निर्वाचन अधिकारी से की कार्रवाई की मांग

□□□ 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क
लखनऊ। खंड-शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र के चुनाव को लेकर सियासी बवाल मच गया है। सपा ने भाजपा को इस मुद्दे पर आड़े हाथों लिया है। समाजवादी पार्टी ने आरोप लगाया है कि आगरा खंड-शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र में भाजपा प्रत्याशी हरिकिशोर तिवारी के समर्थक इंजीनियरों को पीठासीन अधिकारी बनाया जा रहा है।

सपा ने मुख्य निर्वाचन अधिकारी को ज्ञापन देकर निष्पक्ष मतदान की मांग की। समाजवादी पार्टी ने मुख्य निर्वाचन अधिकारी को ज्ञापन देकर मांग की है कि आगरा खंड-शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र में भाजपा प्रत्याशी हरिकिशोर तिवारी के समर्थक इंजीनियरों को 23

शिवा शर्मा मौत सामान्य मामला नहीं, सरकार को ले डूबेगा : अखिलेश

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने श्रद्धा दुबे की फरारी और शिवा शर्मा की मौत के मामले को लेकर उत्तर प्रदेश सरकार और पुलिस पर सवाल उठाए हैं। अखिलेश ने कहा कि कुछ चैनल



श्रद्धा के साथ हैं, जबकि कुछ उसके खिलाफ हैं। उन्होंने मामले में न्याय की मांग करते हुए संकेत दिया कि यह प्रकरण सरकार के लिए भारी पड़ सकता है। अखिलेश

यादव ने कहा कि मामले को सामान्य घटना की तरह नहीं देखा जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि एक बार गाड़ी नहीं पलटी थी, सरकार पलटने से बचाई गई थी। ये मामला भी सामान्य मामला नहीं है। अखिलेश यादव ने विकास दुबे के एनकाउंटर का जिक्र करते हुए योगी सरकार पर गंभीर आरोप लगाए।

पीडीए प्रहरी से 24 को बूथ पर सक्रिय रहने का आह्वान

अखिलेश ने मतदाता सूची टीक करने के लिए चल रहे विशेष अभियान में 24 अक्टूबर को भागीदारी का आह्वान किया है। उन्होंने कहा कि 24 अक्टूबर को सभी पीडीए प्रहरी मुस्तैद रहें और मतदाताओं की हरसंभव मदद करें। उन्होंने जारी बयान में कहा है कि ये बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है कि अब तो विदेशी भी जाति के भेद से जन्म लेने वाले भेदभाव का आखिरी देखा हाल बता रहे हैं। सच तो ये है कि पीडीए समाज का कोई भी व्यक्ति वो चाहे जेल के अंदर हो या बाहर जाति के नाम पर पीड़ा, दुख और अपमान उसे हमेशा ही भुगतना पड़ता है। जातिगत गैरबराबरी और असमानता को जड़ से समाप्त करने के लिए पीडीए सरकार का आना ही एकमात्र विकल्प है।

अक्टूबर को मतदान कराने के लिए पीठासीन अधिकारी बनाया जा रहा है। भाजपा प्रत्याशी हरिकिशोर तिवारी लंबे समय तक डिप्लोमा इंजीनियर्स संघ के अध्यक्ष और राज्य कर्मचारियों के नेता रहे हैं। मतदान की गोपनीयता और निष्पक्षता पूरी तरह से खतरे में है। सपा ने आरोप लगाया है कि भारत

निर्वाचन आयोग मूकदर्शक बना हैं। चुनाव प्रक्रिया की वीडियो रिकॉर्डिंग सुनिश्चित कराई जाए, संवेदनशील मतदान केंद्रों के भीतर स्वतंत्र केंद्रीय पर्यवेक्षक की नियुक्ति की जाए। चुनाव प्रक्रिया की वीडियो रिकॉर्डिंग सुनिश्चित कराई जाए। ज्ञापन के श्रीवास्तव, डॉ. हरिश्चंद्र सिंह यादव और राधेश्याम सिंह ने सौंपा।

आजम खां से मिलने रामपुर जेल कल जाएंगे सपा प्रमुख

अखिलेश यादव 22 अक्टूबर को पूर्व मंत्री आजम खां से मिलने रामपुर जाएंगे। वह जेल में आजम से मुलाकात करेंगे। इस दौरान दोनों के बीच विधानसभा चुनाव और प्रदेश के सियासी हालात पर चर्चा होगी। बता दें कि इससे पहले अखिलेश ने बीते वर्ष अक्टूबर में आजम से रामपुर जाकर मुलाकात की थी। बीते दिनों रामपुर आए और बीजेपी ने सपा नेता आजम खां, उनके बेटे अब्दुल्ला आजम और मौलाना तौकीर रजा की रिहाई का मुद्दा उठाया। उन्होंने अदालत से अपील की कि तीनों को जल्द रिहा किया जाए। ओरवैसी ने जनसभा के मंच से उनकी रिहाई की मांग करते हुए इस मुद्दे को अपने संबोधन में प्रमुखता दी।

मुख्यमंत्री मान को जानबूझकर अपमानित कर रही भाजपा : बलतेज पन्नु

» आप ने दिल्ली एयरपोर्ट पर सीएम को तीन घंटे तक रोके जाने उन पर 50,000 रुपये का जुर्माना लगाने पर की आपर्ति

□□□ 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क
नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) का आरोप है कि फ्रांस से लौटते समय दिल्ली एयरपोर्ट पर मुख्यमंत्री भगवंत मान को तीन घंटे तक रोके रखा गया और उन पर 50,000 रुपये का जुर्माना लगाया गया। एक्स पर शेयर किए गए एक वीडियो संदेश में, आप पंजाब के मीडिया प्रभारी बलतेज पन्नु ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री को जानबूझकर अपमानित किया गया और रात के समय दिल्ली एयरपोर्ट पर तीन घंटे तक रोके रखा गया।

पन्नु ने दावा किया कि मान को एयरपोर्ट पर इसलिए रोका गया क्योंकि वे कोर्ट के आदेश पर पेरिस गए थे, जबकि प्रधानमंत्री उन्हें भारत से बाहर जाने से रोकने की कोशिश कर रहे थे। आप



उदित राज का सरकार से सवाल

भगवंत मान को एयरपोर्ट पर रोकने और जुर्माना लगाए जाने को लेकर जब कांग्रेस नेता उदित राज सवाल किया गया तो उन्होंने दो टूक कहा कि ये गलत है। कारण बताया जाना चाहिए भगवंत मान के साथ ऐसा क्यों हुआ। उन्होंने पूरे मामले पर केंद्र सरकार से जवाब मांगा है। उदित राज ने कहा कि इस बात का उचित स्पष्टीकरण दिया जाना चाहिए कि भगवंत मान को तीन घंटे तक एयरपोर्ट पर क्यों बैठाया गया। सरकार ये भी बताए कि उनसे 50000 रुपये लिया क्यों? ये तो बहुत ही गलत कार्य है।

प्रवक्ता ने दावा किया कि और वहां से निकलने के बाद, उन पर 50 हजार रुपये का जुर्माना लगा दिया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र पंजाबियों का अपमान करने का कोई मौका नहीं छोड़ता।

मुनाफे वाले इलाके निजी हाथों में सौंप रही सैनी सरकार : राव नरेंद्र

» कांग्रेस ने भाजपा पर लगाया अन्यायपूर्ण काम कराने का आरोप

□□□ 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह ने गुरुग्राम और नूंह में इलेवन पावर प्राइवेट लिमिटेड को 25 साल के लिए समानांतर बिजली वितरण लाइसेंस देने के फैसले पर आपत्ति जताई है। उन्होंने सरकार से ये फैसला वापस लेने और बिजली वितरण व्यवस्था के भविष्य पर श्वेतपत्र जारी करने की मांग की।

चंडीगढ़ में जारी बयान में राव नरेंद्र ने कहा कि गुरुग्राम जैसे मुनाफे वाले क्षेत्रों में निजी कंपनियों को बिजली वितरण का मौका देने और ग्रामीण व कृषि क्षेत्रों की जिम्मेदारी सरकारी निगमों पर छोड़ने से



सरकारी बिजली निगमों की आर्थिक स्थिति कमजोर हो सकती है। इससे आम उपभोक्ताओं, किसानों, छोटे दुकानदारों और बिजली कर्मचारियों के हित प्रभावित होने की आशंका है। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने बिजली कर्मचारियों और इंजीनियरों के संयुक्त मोर्चे की चिंताओं को गंभीरता से लेने और संबंधित पक्षों से बातचीत करने की मांग की। उन्होंने कहा कि कांग्रेस बिजली कर्मचारियों और आम जनता के साथ खड़ी है।

पीलीभीत सदर में 16,554 वोटों के हेरफेर हुए : राजेन्द्र पाल

» कांग्रेस ने मतदाता सूची में ईपीआईसी नंबर और नामों में धांधली का आरोप लगाया

□□□ 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश कांग्रेस ने वोट चोरी और मतदाता सूची में ईपीआईसी नंबर और नामों में कथित हेरफेर का आरोप लगाते हुए आज बुधवार (21 अक्टूबर) को लखनऊ स्थित प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इस दौरान कांग्रेस नेताओं ने पीलीभीत सदर विधानसभा क्षेत्र का उदाहरण देते हुए दावा किया कि जुलाई से सितंबर के बीच 13,150 मतदाताओं के ईपीआईसी नंबर और सीरियल नंबर समान रखते हुए उनके नाम बदल दिए गए।

पार्टी ने इस मामले में सुप्रीम कोर्ट से हस्तक्षेप करने और मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की प्रक्रिया पर रोक लगाने की मांग की। उत्तर प्रदेश कांग्रेस प्रभारी राजेंद्र पाल गौतम, प्रदेश अध्यक्ष आराधना मिश्रा, सांसद एवं कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष इमरान मसूद समेत पार्टी के



वोट सुरक्षित रखना सभी नागरिकों की जिम्मेदारी : इमरान मसूद

कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने कहा कि वोट की सुरक्षा केवल किसी एक राजनीतिक दल की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है। उन्होंने मतदाताओं से अपने मताधिकार को सुनिश्चित करने की अपील की। मसूद ने कहा कि कांग्रेस इस मामले को लेकर अदालत का रुख भी करेगी।

कई वरिष्ठ नेता मौजूद रहे। कांग्रेस नेता राजेंद्र पाल गौतम ने आरोप लगाया कि चुनाव आयोग की मदद से चुनावी नतीजों को प्रभावित किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि SIR के बाद 10 अप्रैल को अंतिम ड्राफ्ट सूची जारी हुई थी। इसके बाद जुलाई और

हर जिले में होगी मतदाता सूची की जांच : आराधना मिश्रा

उत्तर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष आराधना मिश्रा ने आरोप लगाया कि राज्य में मतदाता सूची से नाम काटने की कार्रवाई कानून के खिलाफ है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस इस मुद्दे पर उत्तर प्रदेश में संघर्ष करेगी और हर जिले में मतदाता सूचियों की जांच



कराई जाएगी। आराधना मिश्रा ने कहा कि पार्टी इस मामले में कानूनी टाय लेगी और संगठन के स्तर पर भी काम करेगी। उन्होंने कहा कि मतदाताओं के अधिकारों की रक्षा के लिए कांग्रेस इस लड़ाई को आगे बढ़ाएगी।



सितंबर के दौरान मतदाता सूची में बदलाव किए गए। गौतम ने पीलीभीत सदर विधानसभा क्षेत्र के आंकड़ों का हवाला देते हुए दावा किया कि 13,150 मतदाताओं के ईपीआईसी नंबर और सीरियल नंबर समान रखते हुए उनके नाम बदल दिए गए।



भगवान रूठ जाए तो जाए, सरकार को नहीं रूठना चाहिए : अशोक गहलोत

» राजस्थान में सूखे पर भाजपा की भजन सरकार पर हमला

□□□ 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। राजस्थान के पश्चिमी इलाकों में सूखे के हालात को लेकर पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने भजनलाल शर्मा सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि किसानों और पशुपालकों को राहत दिलाने के लिए सरकार पर दबाव बनाना जरूरी है। फसल खराबे का आकलन कर जल्द सूखा घोषित किया जाना चाहिए, ताकि प्रभावित लोगों को राहत मिल सके।

फलोदी में रविवार को आयोजित कार्यकर्ता और किसान सम्मेलन में गहलोत ने सूखे के साथ पंचायत चुनाव से पहले पंचायत राज संस्थाओं के परिसीमन पर भी



सवाल उठाए। गहलोत ने कहा कि पश्चिमी राजस्थान में हालात गंभीर हैं। पशुधन की मौत हो रही है और जैसलमेर में चारे की कीमत 20 रुपये प्रति किलो तक पहुंच गई है। किसान और पशुपालक आजीविका चलाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। ऐसे में सरकार को जल्द गिरदावरी करवाकर सूखा घोषित करना चाहिए। उन्होंने कहा, कहावत है कि भगवान रूठ जाए तो रूठ जाए, लेकिन

सरकार नहीं रूठनी चाहिए। अब लोग कहने लगे हैं कि भगवान और सरकार दोनों रूठ गए हैं। गहलोत ने कहा कि सूखा प्रभावित इलाकों के दौरे का मकसद सरकार पर राहत के लिए दबाव बनाना है। उन्होंने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के बाड़मेर दौरे का जिक्र करते हुए आरोप लगाया कि वहां केवल एक करोड़ रुपये की सहायता की घोषणा की गई, लेकिन यह राशि अब तक जारी नहीं हुई है। पूर्व मुख्यमंत्री ने अपने कार्यकाल के दौरान सूखे से निपटने के उपायों का उल्लेख करते हुए कहा कि उस समय 16 अगस्त से राहत कार्य शुरू किए गए थे, जो 10 से 11 महीने तक चले। जरूरतमंद परिवारों को गेहूं वितरित किया गया। लोगों को मिली उस सहायता को आज भी याद किया जाता है।

ओडिशा में भाजपा सरकार पर बीजद का प्रहार

परमाणु ऊर्जा संयंत्र स्थापित करने को लेकर रार

» विपक्ष बोला सरकार कारोबारियों के आगे नतमस्तक

» छात्र चुनाव में जीत से भाजपा गदगद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कटक। पूर्वी राज्य ओडिशा में भाजपा सरकार आए लगभग दो साल हो गए हैं। वहां पर भाजपा सरकार व विपक्षी दल बीजद में किसी न किसी मुद्दे पर तकरार होती रहती है। इसी क्रम में बीजू जनता दल ने ओडिशा सरकार द्वारा राज्य में 3,000 मेगावाट का निजी परमाणु ऊर्जा संयंत्र स्थापित करने की कथित कोशिशों पर आपत्ति जताई है।

पार्टी महासचिव लेखाश्री सामंतसिंह का आरोप है कि राज्य सरकार कॉरपोरेट हितों के लिए जनता की सुरक्षा से समझौता कर रही है। यह विरोध ऊर्जा विभाग संभाल रहे उप मुख्यमंत्री के.वी. सिंह देव से निजी कंपनी प्रतिनिधि की मुलाकात के बाद दर्ज कराया गया। उधर भाजपा विपक्ष के आरोपों को खारिज कर रही है। राज्य में हो रहे चुनावों में जीत हासिल करते हुए अपनी पकड़ राज्य में बनाती दिख रही है। ओडिशा में आठ साल के अंतराल के बाद हुए छात्र संघ चुनावों में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) ने 13 में से 7 विश्वविद्यालयों में जीत दर्ज की है। बीजेडी समर्थित छात्र संगठन बीसीजेडी को 4 विश्वविद्यालयों में जीत मिली, जबकि उत्कल विश्वविद्यालय में एबीवीपी ने सात पदों पर कब्जा किया। भाजपा नेता नितिन नवीन ने विजयी प्रत्याशियों को बधाई दी।



हित और सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा : लेखाश्री सामंतसिंह

बीजद की वरिष्ठ महासचिव लेखाश्री सामंतसिंह ने दावा किया कि ओडिशा में परमाणु ऊर्जा संयंत्र लगाने से लोगों की सेहत और सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा पैदा होगा। उन्होंने आरोप लगाया कि 'डबल-इंजन सरकार' का झुकाव निजी कंपनियों की तरफ है और इसी वजह से उसने ओडिशा के लोगों की सुरक्षा को पूरी तरह नजरअंदाज कर दिया है। बीजद नेता के मुताबिक, एक निजी कंपनी ने ओडिशा में 3,000 मेगावाट का परमाणु ऊर्जा संयंत्र लगाने का

प्रस्ताव दिया है। उन्होंने कहा, 'जब भी परमाणु ऊर्जा की बात आती है तो लोगों के मन में स्वाभाविक रूप से डर पैदा होता है। वर्ष 1945 में परमाणु बम हमले में जापान के शहर हिरोशिमा और नागासाकी बर्बाद हो गए थे और 1986 में चेरनोबिल परमाणु ऊर्जा संयंत्र (यूक्रेन में) में जबरदस्त धमाका हुआ था और 2011 में फुकुशिमा परमाणु ऊर्जा संयंत्र (जापान में) में भी ऐसी ही तबाही हुई थी।' हालांकि सरकार ने बीजद के इन आरोपों का कोई जवाब नहीं दिया है।

चुनावों में जबरदस्त प्रचार देखने को मिला

चुनावों में जबरदस्त प्रचार देखने को मिला और पहली बार वोट डालने वाले छात्रों को लामबंद किया गया। परिसरों (कैंपसों) में एबीवीपी और बीएसजेडी के बीच कड़ी टक्कर रही। इस दौरान झड़पें भी हुईं, धांधली के आरोप लगे और यह भी कहा गया कि राज्य सरकार ने एबीवीपी के

उम्मीदवारों का पक्ष लिया। उच्च शिक्षा विभाग के अनुसार, 325 कॉलेजों और 13 राज्य विश्वविद्यालयों में 6,649 उम्मीदवारों ने चुनाव लड़ा। चुनाव वाले 325 कॉलेजों में से 60 प्रतिशत से ज्यादा में जीत का दावा किया है, हालांकि सभी कॉलेजों के अंतिम नतीजे तुरंत उपलब्ध नहीं हो सके।

राज्य के सबसे पुराने विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर स्थित उत्कल विश्वविद्यालय में, एबीवीपी ने नौ में से सात पदों पर जीत हासिल की, जिनमें अध्यक्ष और महासचिव के पद शामिल हैं। कांग्रेस से जुड़ी नेशनल स्टूडेंट्स यूनियन ऑफ इंडिया ने उपाध्यक्ष और संयुक्त महासचिव के पद जीते।

भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन ने दी बधाई

इसको लेकर भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन के एक्स पर लिखा कि ओडिशा में संपन्न छात्र संघ चुनावों में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की शानदार जीत पर सभी विजयी प्रत्याशियों एवं समर्पित कार्यकर्ताओं को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ। यह जीत युवाओं के नाम पर अराजकता फैलाने की राजनीति को नकारते हुए राष्ट्रवाद और राष्ट्रहित के प्रति युवा शक्ति के अटूट विश्वास को दर्शाती है।



स्वामी विवेकानंद जी के आदर्शों से प्रेरित भारत का युवा आज राष्ट्र निर्माण के संकल्प के साथ आगे बढ़ रहा है और विकसित भारत 2047 के लक्ष्य को साकार करने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए प्रतिबद्ध है।

कॉरपोरेट हितों के लिए लोगों की सुरक्षा से समझौता कर ही भाजपा

अगस्त ओडिशा में विपक्षी पार्टी बीजू जनता दल (बीजद) ने परमाणु ऊर्जा संयंत्र स्थापित करने की कथित कोशिश का विरोध करते हुए राज्य में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार पर कॉरपोरेट हितों के लिए लोगों की सुरक्षा से

समझौता करने का आरोप लगाया है। बीजद का यह विरोध एक निजी कंपनी के प्रतिनिधि की ओडिशा के उप मुख्यमंत्री के.वी. सिंह देव से मुलाकात के कुछ दिनों बाद सामने आया है। सिंह देव ऊर्जा विभाग के प्रभारी भी हैं।

हिमाचल प्रदेश विधानसभा चुनाव में आप लगाएंगी दांव

भाजपा और कांग्रेस दोनों को मात देने की रणनीति पर काम

» चुनाव लड़ने की तैयारी कर रही है पार्टी

» शिमला में नए कार्यालय का आगाज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

शिमला। पंजाब चुनावों की नजदीक होने से बेफिक्र आम आदमी पार्टी 2027 के हिमाचल प्रदेश विधानसभा चुनाव लड़ने की तैयारी कर रही है। हालांकि इससे पहले पार्टी ने गोवा, राजस्थान, गुजरात, यूपी, बिहार समेत कई राज्यों में स्थानीय स्तर से लेकर विस तक के चुनाव लड़े और सत्ता में बैठी पार्टियों की नींद उड़ा दी।

अब उसकी नजर पहाड़ी राज्य हिमाचल पर है। पार्टी प्रभारी ऋतुराज झा ने शिमला में नए कार्यालय का उद्घाटन करते हुए बताया कि अरविंद केजरीवाल 15 नवंबर के आसपास

जमीनी संगठन को मजबूत करने पर जोर

आम आदमी पार्टी आप 2027 के हिमाचल प्रदेश विधानसभा चुनाव लड़ने की तैयारी कर रही है। पार्टी का फोकस अपने जमीनी संगठन को मजबूत करने पर है ताकि वह भारतीय जनता पार्टी भा और कांग्रेस के विकल्प के तौर पर खुद को पेश कर सके। यह जानकारी आप के हिमाचल प्रदेश प्रभारी ऋतुराज झा ने दी। झा ने यह बात 13 अक्टूबर को शिमला में लोअर मॉल पर 7/11 कॉन्फ्लेक्स के पास बाबा कॉन्फ्लेक्स में पार्टी के नए राज्य कार्यालय का उद्घाटन करने के बाद कही। उन्होंने बताया कि आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल के 15 नवंबर के आसपास शिमला आने की उम्मीद है, जहाँ वे पार्टी की भविष्य की रणनीति तय करेंगे। उन्होंने यह भी बताया कि इस दौर के दौरान सात से आठ नेताओं के पार्टी में शामिल होने की संभावना है।

शिमला का दौरा करेंगे। इस दौरान पार्टी की रणनीति तय होगी और सात से आठ नेता पार्टी में शामिल हो सकते हैं।



आम आदमी पार्टी को काम की राजनीति में यकीन

आम आदमी पार्टी काम की राजनीति में यकीन रखती है, जबकि बीजेपी और कांग्रेस लूट-खसोट की राजनीति में लगी हैं। हिमाचल प्रदेश के लोग एक विकल्प चाहते हैं और हम उन्हें वह विकल्प देने की तैयारी कर रहे हैं। झा ने कहा कि पार्टी पिछले एक साल से संगठन के विस्तार पर काम कर रही है, जिसमें संभावित नेताओं की पहचान करना और जमीनी स्तर पर अपने नेटवर्क को मजबूत करना शामिल है। उन्होंने कहा कि अगले तीन से चार महीनों में हमारा संगठन बूथ स्तर से लेकर राज्य स्तर तक तैयार हो जाएगा। हम लगभग एक साल बाद होने वाले विधानसभा चुनावों के लिए व्यापक स्तर पर तैयारी कर रहे हैं।

प्रदेश में 20,000 से ज्यादा नए सदस्य आप से जुड़े

हिमाचल प्रदेश में 20,000 से ज्यादा नए सदस्य आप से जुड़े हैं और 50 से ज्यादा विधानसभा क्षेत्रों में सदस्यता अभियान चल रहे हैं। पार्टी ने कम से कम पाँच लाख नए सदस्य बनाने का लक्ष्य रखा है। केजरीवाल का शिमला दौरा अगले 15 नवंबर के आसपास तय है, हालांकि तारीख में कुछ दिनों का बदलाव हो सकता है। झा ने कहा कि अरविंद केजरीवाल जी शिमला में प्रेस कॉन्फ्रेंस करेंगे और सात-आठ नेता पार्टी में शामिल होंगे। यह आपके लिए एक सरप्राइज है और आपको उस दिन पता चल जाएगा।

हिमाचल प्रदेश के लोग बीजेपी और कांग्रेस, दोनों से तंग आ चुके हैं : झा

झा ने कहा कि हिमाचल प्रदेश के लोग बीजेपी और कांग्रेस, दोनों से तंग आ चुके हैं। वे कभी एक पार्टी को वोट देते हैं तो कभी दूसरी को, लेकिन हमारी नजर में दोनों पार्टियाँ लूट-खसोट वाली राजनीति करती हैं। वे अपने वादे पूरे करने में नाकाम रही हैं, चाहे वह अच्छे स्कूल बनाना हो, महिलाओं को 1,500 रुपये देना हो, 300 यूनिट मुफ्त बिजली देना हो या युवाओं के लिए रोजगार पैदा करना हो। उन्होंने दावा किया कि कलने पंजाब में अपने वादे पूरे किए हैं और हिमाचल प्रदेश में भी अपने गवर्नर्स मॉडल को लागू करने की पार्टी की मंशा जाहिर की।



Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_SanjayS

जिद... सच की

देश में शिक्षा व्यवस्था का सुदृढ़ होना जरूरी

देश का भविष्य वहां के छात्र होते हैं। अगर उस देश के छात्र हर विषय पारंगत होंगे तो वह देश आगे बढ़ेगा। इन छात्रों को संवारती है शिक्षा। शिक्षा को देते हैं विद्यालय। इसलिए देश में शिक्षा व्यवस्था का सुदृढ़ होना जरूरी है। पर अपने देश में शिक्षा व्यवस्था कटघरे में आजकल खड़ी हैं। परीक्षा लीक की घटनाओं ने साख को बट्टा लगाया है। सत्ताधीशों को इस ओर गंभीरता से ध्यान देना होगा। आज प्रश्न यह है कि क्या हमारी शिक्षा व्यवस्था और छात्र राजनीति उनके इस स्वप्न को साकार करने की दिशा में आगे बढ़ रही हैं? समकालीन परिदृश्य का एक चिंताजनक पक्ष यह है कि अनेक शिक्षण संस्थानों में हिंसक टकराव, तोड़फोड़, नशे की बढ़ती प्रवृत्ति, अनुशासनहीनता और शक्ति प्रदर्शन जैसी घटनाएं चिंता उत्पन्न कर रही हैं। किसी राष्ट्र का भविष्य उसकी संसदों में पारित कानूनों से कम और उसके शिक्षण संस्थानों में गढ़े जा रहे विद्यार्थियों के चरित्र से अधिक निर्धारित होता है। छात्र केवल किसी देश की युवा आबादी नहीं, बल्कि उसकी संभावनाओं, विचारों, मूल्यों और विकास की जीवंत पूंजी होते हैं। उनकी आंखों में पलते सपने राष्ट्र की तकदीर लिखते हैं और उनके हाथों में संवरता भविष्य सभ्यता की दिशा तय करता है।

किंतु जब यही हाथ सृजन के औजारों के बजाय विध्वंस के हथियार उठाने लगें, जब ज्ञान की जिज्ञासा हिंसा की उतेजना में बदलने लगे और जब शिक्षा के मंदिरों में अनुशासन की जगह अराजकता पनपने लगे, तब यह केवल छात्र जीवन का संकट नहीं, बल्कि समाज और राष्ट्र की चेतना के लिए खतरे की घंटी है। विश्व छात्र दिवस इसी संदर्भ में आत्ममंथन का अवसर है। प्रतिवर्ष 15 अक्टूबर को मनाया जाने वाला विश्व छात्र दिवस भारत के पूर्व राष्ट्रपति, महान वैज्ञानिक और 'मिसाइल मैन' डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम की जयंती को समर्पित है। संयुक्त राष्ट्र द्वारा इस दिवस को आधिकारिक अंतरराष्ट्रीय दिवस घोषित किए जाने का दावा नहीं करना चाहिए, फिर भी भारत में यह दिन व्यापक रूप से कलाम के विद्यार्थी-केन्द्रित विचारों, शिक्षा के प्रति समर्पण और युवाओं के स्वप्नशील व्यक्तित्व के सम्मान के रूप में मनाया जाता है। डॉ. कलाम के लिए विद्यार्थी केवल परीक्षाओं में अंक प्राप्त करने वाले छात्र नहीं थे, बल्कि वे ऐसे स्वप्न दृष्टा थे, जिनके भीतर देश की तस्वीर बदलने की क्षमता थी। वे बच्चों के बीच जाते, उनसे संवाद करते, उनके प्रश्नों को प्रोत्साहित करते और उन्हें ब सपने देखने की प्रेरणा देते थे। उनका विश्वास था कि सपने वे नहीं होते जो नींद में आते हैं, बल्कि वे होते हैं जो व्यक्ति को सोने नहीं देते। उनका जीवन इस बात का प्रमाण था कि साधारण परिस्थितियों में जन्मा व्यक्ति भी इतिहास रच सकता है।

Sanjay

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

चिकित्सा क्षेत्र में बढ़ते बाजारीकरण का संकट

चंद्रकांत लहरिया

भारतीय निजी स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र पिछले चार दशकों में बने सामाजिक और नैतिक संकट का सामना कर रहा है। इसकी शुरुआत अस्पताल क्षेत्र में कॉरपोरेट घरानों के प्रवेश से हुई और विदेशी प्रत्यक्ष निवेश, वेंचर कैपिटल एवं निजी निवेश से इसने रफ्तार पकड़ी। यह संकट ढांचागत है। निजी स्वास्थ्य सेवा के विकास ने ऐसी व्यवस्थाएं बनाई हैं, जिनमें डॉक्टरों से अस्पतालों, दवा कंपनियों और संबंधित हितधारकों के लिए मुनाफा कमाने की अपेक्षा की जाती है। उपचार निर्णय, जोकि रोगी की जरूरत से निर्धारित होना चाहिए, उस पर व्यावसायिक प्रोत्साहनों और चिकित्साकरण का प्रभाव हावी हो गया है। इस परिवर्तन ने डॉक्टर-रोगी संबंध को बदल डाला। चिकित्सक अब मात्र स्वतंत्र पेशेवर नहीं रह गया जो रोगी के प्रति जवाबदेह हो। कई डॉक्टर नैतिक बने हुए हैं और कई कॉरपोरेट अस्पताल भी उत्कृष्ट स्वास्थ्य सेवा प्रदान कर रहे हैं, तथापि 'प्रोत्साहन रूपी लालच' पेशेवर आजादी कायम रखना मुश्किल कर देता है।

मसलन कॉर्पोरेट अस्पतालों में डॉक्टरों को वेतन तो मिलता है, लेकिन मालिकों की अपेक्षा होती है कि वे अधिकाधिक कमाई कर दिखाएं, रोगी संख्या बढ़ाएं, जांच, भर्ती और इलाज प्रक्रियाओं में अधिक मुनाफा बनवाएं। भारत में स्वास्थ्य सेवा के कॉर्पोरेटीकरण पर एक शोध में उपार्जन लक्ष्य, डॉक्टरी सलाह को अस्पताल भर्ती में परिवर्तित करने या एक-दो दिन वाले इलाज को लंबा खींचने को दबाव बनाने और घटती स्वायत्तता को दर्ज किया है। ऐसे रंग-ढंग ने 'अच्छे' डॉक्टर की परिभाषा बदल दी है। जो चिकित्सक मरीजों को नेक डॉक्टरी सलाह देते हैं, बीमारी पर सावधानी भरा इंतजार करने की सलाह देते हैं या किसी महंगी प्रक्रिया से बचने की सलाह देते हैं, वे अधिक टेस्ट और उपचार करवाने वाले डॉक्टर की तुलना में कम पैसा कमाते हैं। एक बार जब

व्यावसायिक उत्पादकता कार्य क्षमता का पैमाना बन जाए तो नेक इरादे वाले डॉक्टर भी मरीजों के हितों के विपरीत 'प्रोत्साहनों' के लालच में फंस सकते हैं। कई चिकित्सकों का इलाज के दाम तय करने, बिल बनाने या व्यावसायिक रणनीति पर दखल नगण्य होता है, इसलिए विशेषज्ञता तो है लेकिन घटती स्वायत्तता के साथ।

दवा उत्पादन उद्योग में भी इसी किस्म की चिंताएं उपजी हैं। कंपनियां उत्तरोत्तर ऐसी रणनीतियों अपना रही हैं जिनसे बाजारीकरण और नेक चिकित्सा शिक्षा के बीच भेद करना मुश्किल हो रहा है। सम्मेलन, सलाहकार बोर्ड, वक्ता कार्यक्रम और आतिथ्य सत्कार जैसे



तरीकों ने इस लकीर को धुंधला कर रखा है। दवा उत्पादकों के लिए बिक्री संबंधी संहिता में उपहार, यात्रा और आतिथ्य सत्कार जैसी सुविधाओं से डॉक्टरों को प्रभावित करने संबंधी निर्देश हैं, फिर भी यह गोरखधंधा सूक्ष्म तरीकों से काम करता है। अस्पताल की निजी दवा विक्रेता दुकानें इस इकोसिस्टम का उदाहरण हैं। कई अस्पताल चुनिंदा ब्रांडों से भरी आंतरिक फार्मेशियां संचालित करते हैं, डॉक्टरों को वहां रखी दवाएं ही लिखने को कहा जाता है। इससे मरीज का क्रय चयन सीमित हो जाता है और हॉस्पिटल की कमाई बढ़ जाती है। पिछले 18 महीनों में मोटापा कम करने वाली दवाओं की बढ़ती मांग इस तनाव को दिखाती है। जीएलपी-1 रिसेप्टर एगोनिस्ट और उनसे जुड़ी दवाओं का फायदा सही में चुने गए मरीज को हो सकता है। फिर

भी, सम्मेलनों और मेडिकल प्रचार शिविरों के जरिए की जाती इनकी आक्रामक मार्केटिंग पर सोचना जरूरी है। एक मेडिकल विशेषज्ञ ब्रांड एंबेसडर बनने की बजाय सुबूतों को समझने और व्याख्या करने वाला हो। उनकी भूमिका केवल यह बताना नहीं है कि दवा क्या कर सकती है, बल्कि यह बताना भी है कि किसे इसकी जरूरत नहीं है, क्या अनिश्चितताएं हैं, क्या-क्या बुरे असर और लागत है, कितने समय तक वास्तव में इलाज की जरूरत है, और दवा के बगैर कौन से उपचार ढंग का महत्व कायम है। कॉर्पोरेट स्वास्थ्य क्षेत्र में दवाएं तेजी से मुख्य भूमिका में आ रही हैं। ये चिंताएं लंबे समय से चली आ

रही हैं। 2018 में, समीरन नंदी, केशव देशिराजु और संजय नागराल ने 'स्वास्थ्य सेवा रक्षक या भक्षक? भारत में स्वास्थ्य सेवाओं में भ्रष्टाचार' नामक पुस्तक संपादित की थी। इसमें हितों का टकराव, कॉर्पोरेट अस्पतालों के तौर-तरीके, दवा उत्पादक कंपनियों का प्रभाव, मेडिकल नियमन और व्यावसायिक नैतिकता की जांच की गई थी। आज भी इसकी प्रासंगिकता चिंताजनक है।

चिकित्सा जगत ने बार-बार इस समस्या की शिनाख्त तो की, लेकिन सुधार सीमित ही रहा। कमजोर नियमन मुख्य समस्या है। भारत में डॉक्टरों के लिए नैतिकता संहिता और दवा उत्पादन की मार्केटिंग का नियंत्रण करने वाले नियम हैं। रेफरल कमीशन, गलत प्रोत्साहन और व्यापारिक प्रभावों के नाना तरीकों पर रोक है।

भाषा सिंह

यमन में हूती विद्रोहियों और यमन सरकार के बीच चल रही लड़ाई विस्फोटक कगार पर पहुंच चुकी है। इसने ईरान युद्ध के बाद पश्चिम एशिया को फिर एक नए तनाव में धकेल दिया है। सऊदी अरब के दमम हवाई अड्डे पर भी 11 अक्टूबर को हमला हुआ, जिसमें एक व्यक्ति की मौत हुई है। इससे पहले, शनिवार, 10 अक्टूबर को रियाद हवाई अड्डे पर हूतियों ने हमला बोला था, जिसमें एक भारतीय समेत 13 लोगों की मौत हुई और 300 से ज्यादा लोग घायल हुए। इस हमले का दुनिया भर में कड़ा विरोध हुआ है। भारत ने भी इस पर कड़ी आपत्ति जताई है। भारत के विदेश मंत्रालय ने कहा कि पिछले कुछ दिनों में सऊदी अरब के मुख्य हवाई अड्डे पर हमला किया गया, जो निंदनीय है और किसी भी रूप में स्वीकार नहीं किया जा सकता। ऐसे हमलों को तुरंत रोकना होगा।

एक हफ्ते में रियाद के किंग खालिद अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे और दमम हवाई अड्डे को मिलाकर सऊदी अरब के हवाई अड्डों पर ये चौथा हमला है। दुनिया भर के देशों ने इन हमलों की निंदा की है। हूती विद्रोहियों द्वारा लगातार सऊदी अरब को निशाना बनाकर हमले करने से खाड़ी के देशों और पूरे पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ गया है। इसके बाद इस बात की आशंका बलवती हो गई है कि क्या यमन में सत्ता की लड़ाई खाड़ी में युद्ध की ज्वाला को भड़का सकती है, खासतौर से तब, जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जिस तरह से इसमें हस्तक्षेप करने की बात कही है। ट्रंप ने हूतियों के इन हमलों के खिलाफ सऊदी अरब के साथ उतरने की बात कही है, क्योंकि सऊदी अरब खाड़ी में

यमन संघर्ष से फिर खाड़ी में युद्ध के बादल



अमेरिका का सबसे भरोसेमंद दोस्त रहा है। लेकिन दिलचस्प बात यह है कि ईरान इस नए तनाव में अमेरिका का दखल नहीं चाहता और उसने हूतियों तथा सऊदी अरब के बीच मध्यस्थता की पेशकश की है, ताकि इलाके का मसला इलाके में ही हल हो जाए। संयुक्त राष्ट्र के मुताबिक, हूती विद्रोहियों और यमन की सऊदी अरब समर्थित सरकार के बीच चल रहे सैन्य संघर्ष में अगस्त से अब तक 46 से अधिक नागरिक मारे गए हैं।

यमन के लिए संयुक्त राष्ट्र के विशेष दूत हैंस गुंडबर्ग ने चेतावनी दी है कि यमन में फिर से बड़े पैमाने पर युद्ध शुरू हो सकता है, जो पूरे इलाके को अशांति में धकेल देगा। हैंस ने जिस बात की ओर इशारा किया है, उसके मूल में यमन के भीतर और बाहर, यानी पश्चिम एशिया में शक्ति संतुलन के लिए चल रहा संघर्ष है। इसी दृष्टिकोण से सऊदी अरब के साथ मिलकर यमन की सरकार और हूती विद्रोहियों के बीच चल रहे संघर्ष को समझा जाना चाहिए। सऊदी अरब खाड़ी के सबसे बड़े, संपन्न और ताकतवर देशों

में से एक है। वह खाड़ी के उन देशों में भी शामिल है, जिनके इस्त्राइल के साथ कूटनीतिक संबंध न होने के बावजूद उसके प्रति दोस्ताना व्यवहार रहा है। ईरान को सऊदी अरब भी पसंद नहीं करता। हूतियों के हमलों की ओमान, ऑस्ट्रेलिया आदि कई देशों ने आलोचना की है। इस संघर्ष का दूसरा पहलू यह है कि यमन की राजधानी सना, जहां 2014 से हूती विद्रोहियों का कब्जा है, वहां यमन सरकार लगातार हवाई हमले कर रही है। यमन की सरकार ने हूतियों के खिलाफ बड़े सैन्य अभियान की घोषणा की है, ताकि वह सना पर दोबारा कब्जा हासिल कर सके। राजधानी सना पर ये हमले 2023 में यमन की सरकार और हूती विद्रोहियों के बीच हुए अंतरराष्ट्रीय समझौते का उल्लंघन हैं।

हूती विद्रोहियों ने सऊदी अरब को इसलिए निशाना बनाया है, क्योंकि वह यमन की सरकार का समर्थन कर रहा है। सऊदी अरब के हवाई क्षेत्र से हूती विद्रोहियों के कब्जे वाले इलाकों पर हमले हो रहे हैं, जिन्हें हूती अंतर्राष्ट्रीय संधि का उल्लंघन बताते हैं। इस तरह यमन में चल रहे घरेलू सत्ता संघर्ष ने एक अंतर्राष्ट्रीय संघर्ष

का रूप ले लिया है। यमन की स्थिति पेचीदा है। यहां यमन की सरकार और हूती विद्रोहियों के बीच लंबे समय से गृहयुद्ध चल रहा है, जो पिछले कुछ समय से तेज हो गया है। यमन की राजधानी सना सहित उत्तर-पश्चिमी इलाके पर हूती विद्रोहियों का कब्जा है। हूती ईरान के करीबी माने जाते हैं, जबकि यमन की मान्यता प्राप्त सरकार के प्रमुख रशाद अल-अलीमी हैं और सरकार को सऊदी अरब का समर्थन प्राप्त है। इस बीच, हूती विद्रोहियों और सरकार के बीच लड़ाई देश के भीतर इलाकों पर कब्जे तक सीमित नहीं रही, बल्कि इसमें सऊदी अरब और लाल सागर के समुद्री व्यापार मार्गों की सुरक्षा तथा उन पर नियंत्रण का सवाल भी जुड़ गया है।

चूंकि सऊदी अरब यमन सरकार को हूती विद्रोहियों के खिलाफ लड़ने के लिए सैन्य साजो-सामान मुहैया करा रहा है और उसकी मदद कर रहा है, इसलिए हूतियों ने सऊदी अरब को निशाना बनाया है। इस हमले ने अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर नई बहस छेड़ दी है। जिस तरह से तमाम देशों ने हूती हमले की निंदा की है, उससे सऊदी अरब की स्थिति मजबूत हुई है। सऊदी अरब पश्चिम एशिया में अमेरिका का दोस्त माना जाता है और ईरान के खिलाफ युद्ध में उसने अपने सैन्य अड्डे अमेरिका के इस्तेमाल के लिए मुहैया कराए थे। खाड़ी के देशों में सऊदी अरब का रुख शुरू से ही बिल्कुल अलग रहा है। यही वजह है कि ईरान पर अमेरिका और इस्त्राइल के हमले का मामला हो या फिर इस्त्राइल के फलस्तीन पर हमले का, इन सभी मामलों में सऊदी अरब की भूमिका अहम रही है। इस पूरे घटनाक्रम में पाकिस्तान भी एक पक्ष है, जिसने सऊदी अरब के साथ रक्षा समझौता कर रखा है।

अरुणाचल प्रदेश

कम से कम एक बार जरूर जाएं घूमने

भारत का नॉर्थ ईस्ट अपनी प्राकृतिक खूबसूरती, अनोखी संस्कृति और शांत वातावरण के लिए जाना जाता है। इन्हीं खूबसूरत राज्यों में शामिल है अरुणाचल प्रदेश, जिसे अक्सर अपनी बर्फ से ढकी पहाड़ियों, हरे-भरे जंगलों, नदियों और झरनों के कारण प्रकृति प्रेमियों का स्वर्ग कहा जाता है। अगर आप भीड़भाड़ से दूर किसी शांत और रोमांचक जगह पर छुट्टियां बिताना चाहते हैं, तो अरुणाचल प्रदेश आपके ट्रेवल बकेट लिस्ट में जरूर छेना चाहिए। यहां आपको हिमालय की शानदार चोटियों से लेकर प्राचीन बौद्ध मठ, खूबसूरत घाटियां और स्थानीय जनजातीय संस्कृति तक देखने को मिलती है। तवांग, जीरो वैली, बोमडिला और सेला पास जैसे पर्यटन स्थल यात्रियों को अलग-अलग तरह के अनुभव देते हैं। वहीं, राज्य की नदियां, जंगल और वन्यजीव इसे एडवेंचर और नेचर लवर्स के लिए भी खास बनाते हैं। अरुणाचल प्रदेश की खासियत सिर्फ इसकी प्राकृतिक सुंदरता नहीं है। यहां की स्थानीय संस्कृति, पारंपरिक खान-पान, त्योहार और जीवजन्तु भी पर्यटकों को आकर्षित करते हैं। यही वजह है कि यहां की यात्रा सिर्फ घूमने तक सीमित नहीं रहती, बल्कि आपको भारत की विविधता को करीब से समझने का मौका भी देती है।

जीरो वैली

सुबह की धूप जब पहाड़ों पर पड़ती है, तो पूरा नजारा बेहद आकर्षक दिखाई देता है। फोटोग्राफी पसंद करने वालों के लिए भी यहां कई शानदार दृश्य मिलते हैं। जीरो वैली हरियाली और शांत वातावरण के लिए मशहूर है। यहां के खूबसूरत खेत, पहाड़ और स्थानीय संस्कृति यात्रियों को शहर की भागदौड़ से बिल्कुल अलग अनुभव देते हैं। जो लोग प्रकृति के करीब समय बिताना चाहते हैं, उनके लिए यह जगह खास आकर्षण रखती है।

तवांग

अरुणाचल प्रदेश में हिमालय का बेहद खूबसूरत स्वरूप देखने को मिलता है। तवांग अरुणाचल प्रदेश के सबसे लोकप्रिय पर्यटन स्थलों में से एक है। यहां स्थित तवांग मठ आध्यात्मिक और ऐतिहासिक दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जाता है। पहाड़ों के बीच स्थित यह क्षेत्र शांत वातावरण और खूबसूरत प्राकृतिक दृश्यों के लिए जाना जाता है। तवांग की यात्रा के दौरान रास्ते में मिलने वाले पहाड़ी नजारे और ऊंचाई वाले क्षेत्र यात्रा के अनुभव को और खास बना देते हैं।

सेला

ऊंचे पहाड़, बादलों से घिरी चोटियां, घने जंगल और घुमावदार पहाड़ी सड़कें यहां की यात्रा को यादगार बना देती हैं। ऊंचाई पर स्थित सेला पास अपनी प्राकृतिक सुंदरता के लिए जाना जाता है। बर्फ से ढके पहाड़ों और झीलों का नजारा यहां आने वाले यात्रियों को आकर्षित करता है। हालांकि, ऊंचाई वाले इलाकों में मौसम तेजी से बदल सकता है, इसलिए यात्रा से पहले स्थानीय मौसम और सड़क की स्थिति की जानकारी लेना जरूरी है।



हंसना मना है

टीटू - स्टेशन जाने का कितना लगे? रिक्शावाला - 50, टीटू- 20 ले लो... रिक्शावाला - 20 में कौन ले जाएगा? टीटू- तुम पीछे बैठो हम ले जाएंगे।

मम्मी : पेपर कैसा था? बेटा : पतला सा था, सफेद रंग का, मम्मी : मेरा मतलब है कि पेपर कैसा हुआ? बेटा : फिपटी- फिपटी, मम्मी : मैं समझी नहीं? बेटा : जो पेपर में लिखा था वह मेरी समझ में नहीं आया, लेकिन मैंने जो कापी में लिखा है, वह जांचने वाले की समझ में नहीं आएगा।

बस स्टैंड पर खड़ी पड़ोस की लड़की से फिल्मी स्टाइल में पप्पू बोला... प... प... प...प्रिया...तेरी आंखों में मुझे मेरी पत्नी नजर आ रही है... लड़की- थप्पड़ लगाकर बोली...सूरत देखी है? पप्पू : नहीं, बस एक बार अहमदाबाद तक गया हूं।

पतलू- भाई कहां जा रहे हो? मोटू- यार, सुना है सोने में भारी गिरावट आई है, तो सोने जा रहा हूं, पतलू- तुझसे ऐसा किसने कहा? मोटू- अरे कल ही न्यूज में सुना, सोने में काफी गिरावट आई है पहले लोग 6 घंटे सोते थे अब मोबाइल फोन के कारण 5 घंटे ही सोते हैं।

कहानी

शेर और सियार

एक बार की बात है सुंदरवन नाम के जंगल में बलवान शेर रहा करता था। शेर रोज शिकार करने के लिए नदी के किनारे जाया करता था। एक दिन जब नदी के किनारे से शेर लौट रहा था, तो उसे रास्ते में सियार दिखाई दिया। शेर जैसे ही सियार के पास पहुंचा, सियार शेर के कदमों में लेट गया। शेर ने पूछा अरे भाई! तुम ये क्या कर रहे हो। सियार बोला, आप बहुत महान हैं, आप जंगल के राजा हैं, मुझे अपना सेवक बना लीजिए। मैं पूरी लगन और निष्ठा से आपकी सेवा करूंगा। इसके बदले मैं आपके शिकार में से जो कुछ भी बचेगा मैं वो खा लिया करूंगा। शेर ने सियार की बात मान ली और उसे अपना सेवक बना लिया। अब शेर जब भी शिकार करने जाता, तब सियार भी उसके साथ चलता था। इस तरह साथ समय बिताने से दोनों के बीच बहुत अच्छी दोस्ती हो गई। सियार, शेर के शिकार का बचा खुवा मांस खाकर बलवान होता जा रहा था। एक दिन सियार ने शेर से कहा, अब तो मैं भी तुम्हारे बराबर ही बलवान हो गया हूं, इसलिए मैं आज हाथी पर वार करूंगा। जब वो मर जाएगा, तो मैं हाथी का मांस खाऊंगा। मेरे से जो मांस बच जाएगा, वो तुम खा लेना। शेर को लगा कि सियार दोस्ती में ऐसा मजाक कर रहा है, लेकिन सियार को अपनी शक्ति पर कुछ ज्यादा ही घमंड हो चला था। सियार पेड़ पर चढ़कर बैठ गया और हाथी का इंतजार करने लगा। शेर को हाथी की ताकत का अंदाजा था, इसलिए उसने सियार को बहुत समझाया, लेकिन वो नहीं माना। तभी उस पेड़ के नीचे से एक हाथी गुजरने लगा। सियार हाथी पर हमला करने के लिए उस पर कूद पड़ा, लेकिन सियार सही जगह छलांग नहीं लगा पाया और हाथी के पैरों में जा गिरा। हाथी ने जैसे ही पैर बढ़ाया वैसे ही सियार उसके उसके पैर के नीचे कुचला गया। इस तरह सियार ने अपने दोस्त शेर की बात न मानकर बहुत बड़ी गलती की और अपने प्राण गंवा दिए।

7 अंतर खोजें



पंडित संदीप आनंद शर्मा

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष 	दोस्तों का रुख सहयोगी रहेगा और वे आपको खुश रखेंगे। आकस्मिक मुनाफे या सट्टेबाजी के जरिए आर्थिक हालात सुदृढ़ होंगे। अपने परिवार की भलाई के लिए मेहनत करें।	तुला 	अच्छी चीजों को ग्रहण करने के लिए आपका दिमाग खुला रहेगा। धन का आगमन आज आपको कई आर्थिक परेशानियों से दूर कर सकता है।
वृषभ 	आज आप खुद को सुकून में और जिंदगी का लुफ्त उठाने के लिए सही मनोदशा में पाएंगे। बुरे दौर में पैसा आपके काम आएगा, इसलिए अपने पैसे की बचत करने का विचार करें।	वृश्चिक 	सेहत के प्रति ज्यादा सावधानी बरतने की जरूरत है। पैसे की अहमियत जानते हैं इसलिए आज के दिन बचाया गया धन आपके बहुत काम आ सकता है।
मिथुन 	अपनी सेहत को ध्यान में रखकर चीखने-छिल्लाने से बचें। पैसे की अहमियत को समझें, इसलिए आज के दिन आपके द्वारा बचाया गया धन आपके बहुत काम आ सकता है।	धनु 	अगर आपका धन से जुड़ा कोई मामला कोर्ट-कचहरी में अटका था तो आज उसमें आपको विजय मिल सकती है और आपको धन लाभ हो सकता है।
कर्क 	आपके तनाव और परेशानी की एक बड़ी वजह बचपन की मासूमियत को जीने की चाह है, इसलिए खुलकर जिएं। बचपन की यादें आपके मन पर छाई रहेंगी।	मकर 	किसी करीबी दोस्त की मदद से आज कुछ करीबियों को अच्छा-खासा धन लाभ होने की संभावना है। हाल की घटनाओं से आपका मन बेचैन हो सकता है।
सिंह 	प्रभावशाली लोगों का सहयोग आपके उत्साह को दोगुना कर देगा। धन की आवश्यकता कभी भी पड़ सकती है इसलिए आज जितना हो अपने पैसे की बचत करने का विचार बनाएं।	कुम्भ 	दौड़-भाग भरा दिन आपको तुनकमिजाज बना सकता है। बिना किसी की सलाह लिये बिना आज आपको पैसा कहीं भी इन्वेस्ट नहीं करना चाहिए।
कन्या 	आप आज खुद को रोजाना की अपेक्षा कम ऊर्जावान महसूस करेंगे। स्वयं को जरूरत से ज्यादा काम के नीचे न दबाएं, थोड़ा आराम करें।	मीन 	आज आपकी सेहत पूरी तरह अच्छी रहेगी। आज आपको अपने उन रिश्तेदारों को पैसा उधार नहीं देना चाहिए जिन्होंने आपका पिछला उधार अब तक वापस नहीं किया है।

स्वर्ण मंदिर पहुंचकर भावुक हुई सारा अली खान

बॉलीवुड की बेहतरीन अभिनेत्री सारा अली खान अपनी अपकमिंग फिल्म उड़ता तीर को लेकर चर्चा में हैं। वह इस फिल्म के प्रमोशन में बिजी हैं। अलग-अलग जगहों पर वह जाकर इसका प्रमोशन कर रही हैं। इस बीच वह अपने साथी कलाकार आयुष्मान खुराना के साथ अमृतसर के स्वर्ण मंदिर पहुंची हैं। यहां वह फूट-फूटकर रोने लगीं। इस मामले का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल है। वायरल वीडियो में देखा जा सकता है कि अभिनेत्री साथी कलाकार आयुष्मान खुराना के साथ स्वर्ण मंदिर में हैं। वहां वह फूट-फूटकर रो रही हैं। इस बीच उनसे अभिनेता कुछ कहते हैं। इसके बाद खामोश हो जाती हैं। सोशल मीडिया पर यह वीडियो वायरल है। एक दूसरे वीडियो में देखा जा सकता है कि अभिनेत्री सुरक्षा के बीच स्वर्ण मंदिर से बाहर आती हैं। इस बीच उनसे वहां मौजूद कुछ लोग बात करते हैं। अभिनेत्री वहां मौजूद लोगों का हाथ जोड़कर अभिवादन करती हैं। उड़ता तीर के बारे में जानकारी आयुष्मान खुराना और सारा अली



खान का स्वर्ण मंदिर जाना उड़ता तीर की रिलीज से पहले हुआ है, जो 23 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। पहले यह फिल्म 9 अक्तूबर को रिलीज होने वाली थी, लेकिन इसे आगे बढ़ा दिया गया ताकि फिल्म को रिलीज के लिए एक बेहतर समय मिल सके। इस फिल्म से आकाश ए. कौशिक बतौर निर्देशक अपनी शुरुआत कर रहे हैं।

फिल्म में आयुष्मान और सारा के साथ कई अन्य कलाकार भी मुख्य भूमिकाओं में हैं।

सहायक कलाकारों में राहुल बोस, राम कपूर, सुहेल नय्यर, गुलशन ग्रोवर, मुकुल देव, रघुवीर यादव, बृजेंद्र काला, संदीप आनंद, सुप्रिया पिलगांवकर और स्मिता तांबे शामिल हैं। उड़ता तीर में आयुष्मान खुराना एक पाकिस्तानी जासूस का किरदार निभा रहे हैं, जिसकी याददाश्त चली जाती है। यहीं से एक ऐसी कॉमेडी शुरू होती है, जिसमें हास्य के साथ-साथ देशभक्ति का भी मेल है।

रिलीज से पहले ही प. बंगाल में टैक्स फ्री हुई रणवीर कपूर की रामायण

रणवीर कपूर और साई पल्लवी स्टारर फिल्म रामायण जल्द ही सिनेमाघरों में दस्तक देने को तैयार है। फिल्म को लेकर फैस के बीच जबरदस्त क्रेज देखने को मिल रहा है। रामायण को लेकर बढ़ती उत्सुकता के बीच पश्चिम बंगाल में फिल्म को टैक्स-फ्री करने का ऐलान कर दिया गया है। टैक्स-फ्री होगी रामायण मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने विजयादशमी के खास अवसर पर नितेश तिवारी के निर्देशन में बन रही इस भव्य फिल्म को पश्चिम बंगाल में टैक्स-फ्री करने का ऐलान किया है, जिससे फैस के बीच उत्साह को त्योहारों की खुशी उबल हो गई है। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने कहा- फिल्म रामायण को टैक्स-फ्री कर दिया गया है। द केरल स्टोरी, द कश्मीर फाइल्स% और द बंगाल फाइल्स इन सभी फिल्मों को भी टैक्स-फ्री किया गया



है। यही नियम रामायण पर भी लागू होगा। आने वाले दिनों में, हम श्री कृष्ण और अर्जुन के साथ-साथ महाभारत पर भी फिल्में देखेंगे। मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी के इस बड़े ऐलान ने रामायण का इंतजार कर रहे फैस के उत्साह को दोगुना कर दिया है। इस घोषणा के बाद से ही सोशल मीडिया पर खुशी की लहर दौड़ गई है। अब हर किसी की निगाहें 5 नवंबर पर टिकी हैं, जब

बड़े पर्दे पर इस साल की सबसे भव्य फिल्म रामायण रिलीज होकर इतिहास रचेगी। फिल्म रामायण में भगवान राम के किरदार में रणवीर कपूर, मां सीता के रूप में साई पल्लवी और रावण की भूमिका में यश नजर आएंगे। फिल्म में रवि दुबे लक्ष्मण के किरदार में दिखाई देने वाले हैं। इनके अलावा भी कई बड़े सितारे फिल्म में नजर आने वाले हैं।

रिलीज हुआ मातृभूमि का नया गाना जयहिंद

सलमान खान अपनी अपकमिंग फिल्म मातृभूमि को लेकर चर्चा में हैं। इस बीच इस फिल्म का नया गाना जय हिंद रिलीज हुआ है। समीर अंजान की कलम से निकले इस गाने को स्टेबिन बेन ने अपनी सुरिली आवाज दी है। हिमेश रेशमिया ने अपने म्यूजिक से इसे सजाया है। इंस्टाग्राम पर इस गाने को शेयर करते हुए सलमान खान ने लिखा,%अपनी मातृभूमि के प्रति प्रेम, सम्मान और देशभक्ति दिखाने के लिए 365 दिनों में से केवल 2 दिन काफी नहीं हैं। साल भर होना मंगता है दोस्त। ये रहा आपके लिए जय हिंद का लिрикल कट। उम्मीद है आपको पसंद आएगा। अगर नहीं, तो हिमेश और स्टेबिन का इस्टा या एक्स हैंडल तो होगा ही, है ना? गाने में सलमान खान नजर आ रहे हैं। वह काफी जोशीले अंदाज में हैं। वह भारतीय जवान की वर्दी में हैं। गाने के विजुअल देशभक्ति का जोश जगाते हैं। गाने के बोल और संगीत



भी दिल को छूने वाला है। सलमान खान अभिनीत इस फिल्म का निर्देशन अपूर्व लाखिया ने किया है। इसे सलमान खान फिल्म्स के बैनर तले सलमा खान ने प्रोड्यूस किया है। इसमें चित्रांगदा सिंह ने भी अहम भूमिका निभाई है। बता दें कि पहले इस फिल्म का नाम 'बैटल ऑफ गलवां' था, जिसे इस साल की शुरुआत में बदलकर 'मातृभूमि' कर दिया गया।

टाइगर श्रॉफ पर 18 अक्टूबर को हमला किया गया। फायरिंग में वो सुरक्षित हैं। उनपर जेल में बैठे लॉरेंस बिश्नोई ने अपने गुर्गों के जरिए हमला करवाया था। एक्टर पर हुए हमले के बाद से पूरी इंडस्ट्री शॉक है। मुंबई में फिल्मी सितारों की सुरक्षा प्रशासन के लिए बड़ा मुद्दा बन गई है। इस बीच इंटरनेट पर टाइगर को लेकर कई फेक बयान और वीडियो वायरल हो रहे हैं। इसके खिलाफ एक्टर की टीम की तरफ से लीगल एक्शन लेने की बात कही गई है। गोलीकांड के बाद टाइगर श्रॉफ की टीम की तरफ से ऑफिशियल बयान जारी किया गया है। जिसमें लिखा है-हम स्पष्ट करना चाहते हैं कि टाइगर श्रॉफ ने अभी तक न कोई बयान दिया है, न कोई वीडियो जारी किया है और न ही इस घटना या इससे जुड़े किसी भी घटनाक्रम को लेकर कोई आधिकारिक बातचीत की है। हमें जानकारी मिली है कि कई सोशल मीडिया पेज और डिजिटल प्लेटफॉर्म पर मनगढ़ंत कहानियां फैलाई जा रही है। टाइगर श्रॉफ के नाम से AI वीडियो और स्क्रिप्टेड नैरेटिव सेट किया जा रहा है। ये सब पूरी तरह झूठी चीजें हैं। जिन्हें लोगों को गुमराह करने के इरादे से बनाया गया है। स्टेटमेंट में आगे लिखा है- हम इस तरह के किसी भी कंटेंट को सपोर्ट नहीं करते और न ही इससे हमारा कोई संबंध है। हम मीडिया संस्थानों, डिजिटल प्लेटफॉर्म और सोशल मीडिया पेजों से अपील करते हैं कि वे कोई भी जानकारी पब्लिश करने से पहले उसकी जांच करें। कोई भी गलत जानकारी को अपने फायदे के लिए पब्लिश ना करें। पोस्ट में बताया गया है कि ऐसे झूठे कंटेंट को बनाने, उसे प्रमोट करने और सर्कुलेट करने वाले किसी व्यक्ति या पेज के खिलाफ उचित कानूनी कार्रवाई की जाएगी। टाइगर की टीम की तरफ से ऐसे फर्जी मामलों पर नजर रखी जा रही है। आखिर में लोगों से अपील की गई है कि टाइगर श्रॉफ और उनकी टीम की तरफ से जारी सूचनाओं पर ही भरोसा करें।

बॉलीवुड के मशहूर कपल दीपिका पादुकोण और रणवीर सिंह महीने भर पहले ही दूसरी बार माता-पिता बने हैं। आज महानवमी पर कपल ने अपनी छोटी बेटी का नामकरण किया है। दीपिका ने सोशल मीडिया पर अपने परिवार के साथ एक तस्वीर शेयर की है। इसमें उनकी दोनों बेटियां और पति रणवीर साथ नजर आ रहे हैं। इसके कैप्शन में उन्होंने लिखा, प्यार और प्रचुरताज्देवी पादुकोण सिंह। इसके साथ ही दीपिका ने नजर ना लगे वाला ईविल आई इमोजी साझा किया है। खास बात यह है कि कपल ने महानवमी के दिन अपनी बेटी का नामकरण किया है और उसे देवी नाम दिया है। दीपिका पादुकोण की पोस्ट आते ही फैस ने कपल को बधाई देनी शुरू कर दी है। फैस के अलावा सेलेब्स भी उन्हें बधाई दे रहे हैं। मृणाल ठाकुर, शरवरी वाघ और भूमि पेडनेकर ने दीपिका की पोस्ट पर दिल वाले इमोजी कमेंट किए हैं। वहीं हर्षदीप कौर ने लिखा दिल खुश हो गया देख कर। आप पर ईश्वर की कृपा हो। महानवमी के मौके पर अपनी बेटी का नाम बताना इस घोषणा को और भी खास बनाता है। भारतीय संस्कृति में 'देवी' नाम का विशेष महत्व है। यह नाम ईश्वर के दिव्य स्वरूप, शक्ति, सुंदरता, गरिमा और नारी शक्ति का प्रतीक है। बता दें कि दीपिका पादुकोण और

रणवीर- दीपिका ने महानवमी पर किया छोटी बेटी का नामकरण

गोलीकांड के बाद फेक न्यूज के खिलाफ एक्शन मोड में टाइगर श्रॉफ



दूसरी तरफ, हमले के बाद टाइगर की सिक्योरिटी कड़ी कर दी गई है। इससे पहले भी लॉरेंस बिश्नोई गैंग की तरफ से कई सेलेब्स को फायरिंग कर डराया धमकाया गया है। इस लिस्ट में सलमान खान, रोहित शेट्टी का नाम शामिल हैं।



उनके पति रणवीर सिंह ने 19 सितंबर को अपनी दूसरी बेटी का स्वागत किया था। इस बात की जानकारी अभिनेत्री ने खुद एक पोस्ट साझा करके दी थी। इस पोस्ट में उनकी बेटी के पैरों के निशान बने हुए थे। साथ ही लिखा था, बेबी गर्ल का स्वागत है... 19/09/2026%। बता दें कि दीपिका दूसरी बार मां बनी हैं। इससे पहले अभिनेत्री पहली बार 8 सितंबर 2024 में मां बनी थीं, तब उन्होंने बेटी को जन्म दिया था जिसका नाम उन्होंने दुआ रखा। दिवाली 2025 पर रणवीर और दीपिका ने पहली बार अपनी बेटी की तस्वीर साझा की थी।

आलिया भट्ट की साथी कलाकार का निधन

फिल्म डार्लिंग्स में अभिनेत्री आलिया भट्ट के साथ नजर आई साथी कलाकार दिव्या विनयकर का निधन हो गया है। उनकी दोस्त और आरजे रोहिणी रामनाथन ने सोशल मीडिया पर एक इमोशनल पोस्ट के जरिए इस खबर की पुष्टि की। अभिनेत्री का निधन किस वजह से हुआ, इसका पता नहीं चल पाया है। उन्होंने दिव्या विनयकर के निधन को अप्रत्याशित बताया। इस मुश्किल समय में अभिनेत्री के परिवार की निजता का सम्मान करने की अपील की। आरजे रोहिणी ने दिव्या विनयकर की जानकारी देते हुए



इंस्टाग्राम पर लिखा, बहुत दुख और सदमे के साथ मुझे आप सभी को बताना पड़ रहा है कि हमारी प्यारी डीवी (दिव्या विनयकर) अब हमारे बीच नहीं रहीं। यह अचानक और अप्रत्याशित था। उनका परिवार और वे सभी लोग, जिनके जीवन को उन्होंने अपने स्नेह और प्यार से छुआ था, इस समय गहरे दुख से गुजर रहे हैं। कृपया अभी उनसे कोई सवाल न पूछें। जो लोग उन्हें अंतिम विदाई देना चाहते हैं। वे कल सुबह 10 बजे शिवाजी पार्क हिंदू श्मशान घाट आ सकते हैं।

श्रद्धा पर किसकी बरसी कृपा अब होगी खोज

आखिर कौन है जिसने उसे बनाया 'मॉडल श्रद्धा दुबे'

» नागपुर से गिरफ्तारी के बाद अब पर्दे के पीछे छिपे बिचौलियों की बारी!

» लखनऊ पुलिस और यूपी एसटीएफ ने पुलिस की मदद से तीनों इनामी आरोपियों को दबोचा

4पीएम न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। शिवा शर्मा प्रकरण में फरार चल रही श्रद्धा दुबे आखिरकार पुलिस के शिकंजे में आ गई। लखनऊ पुलिस और यूपी एसटीएफ की संयुक्त टीम ने नागपुर पुलिस के सहयोग से 20 अक्टूबर को श्रद्धा दुबे, उसकी बहन रश्मि दुबे और चालक दानिश को नागपुर से गिरफ्तार कर लिया।

तीनों पर 50-50 हजार रुपये का इनाम घोषित था। लेकिन इस गिरफ्तारी के साथ ही अब एक ऐसा सवाल खड़ा हो गया है, जिसका जवाब सामने आना बाकी है। आखिर श्रद्धा को 'मॉडल श्रद्धा दुबे' बनाया किसने? वह कौन सा कथित बिचौलिया था, जिसने श्रद्धा के इर्द-गिर्द रसूख और प्रभाव का ऐसा तानाबाना बुना कि हत्या के गंभीर आरोप लगने के बाद भी उसके लगातार ठिकाने बदलने की चर्चाएं सामने आती रहीं? क्या श्रद्धा यह सब अकेले कर रही थी या उसके पीछे कोई ऐसा मददगार था, जो हर मुश्किल घड़ी में उसके लिए रास्ता तैयार करता रहा?



पुलिस कमिशनरेट ने की तीनों इनामी आरोपियों की गिरफ्तारी की पुष्टि

लखनऊ पुलिस कमिशनरेट की मीडिया सेल द्वारा जारी प्रेस नोट के मुताबिक, 9 अक्टूबर 2026 को मुक्त शिवा शर्मा की मां रंजना शर्मा की लिखित तहरीर के आधार पर थाना हजरतगंज में मुकदमा अपराध संख्या 216/2026, धारा 103(1) बीएनएस के तहत अभियोग दर्ज किया गया था। इस मामले में फरार श्रद्धा दुबे, चालक दानिश और रश्मि दुबे पर

50-50 हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया था। 20 अक्टूबर को लखनऊ पुलिस एवं यूपी एसटीएफ की संयुक्त टीम ने नागपुर पुलिस के सहयोग से तीनों आरोपियों को नागपुर से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार आवश्यक विधिक कार्रवाई पूरी कर तीनों को लखनऊ लाया जा रहा है। प्रकरण में अन्य विधिक कार्रवाई प्रचलित है।

फरारी का रास्ता किसने किया तैयार

तीनों आरोपियों की गिरफ्तारी के बाद अब सबसे बड़ा सवाल उन लोगों की भूमिका को लेकर है, जिन्होंने कथित तौर पर फरारी के दौरान उनकी मदद की। श्रद्धा के लखनऊ से नेपाल बॉर्डर की ओर जाने, आगरा के होटल से लेकर नागपुर तक ठिकाने बदलने की चर्चाएं सामने आई थीं। ऐसे में सवाल उठता है

आखिर किसने ठहरने का इंतजाम किया? किसने होटल बुक करवाए? किसके पैसे से गाड़ियों में ईंधन भरवाया गया? यात्रा के दौरान लगातार संपर्क में रहने वाले लोग कौन थे? सोशल मीडिया पर वायरल बताई जा रही एक कथित ऑडियो रिकॉर्डिंग में श्रद्धा दुबे द्वारा कुछ लड़कों को 'संजय सर' के नाम पर

धमकाने का दावा किया जा रहा है। आखिर कौन हैं ये संजय सर? क्या वास्तव में श्रद्धा के पीछे किसी प्रभावशाली व्यक्ति का संरक्षण था या वह किसी का नाम लेकर लोगों पर दबाव बनाने की कोशिश करती थी? श्रद्धा की जीवनशैली और आर्थिक स्थिति को लेकर भी कई सवाल सामने आ रहे हैं।

किस अधिकार से संघ प्रमुख कर रहे राजनीतिक मामलों पर टिप्पणी : खरगे

» भागवत के सत्ता परिवर्तन संभव नहीं के बयान पर घमासान

4पीएम न्यूज नेटवर्क

बेंगलुरु। कर्नाटक के गृह मंत्री प्रियांक खरगे ने सत्ता परिवर्तन पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत की टिप्पणी की आलोचना की और संगठन के उस दावे पर सवाल उठाया, जिसमें वह खुद को पूरी तरह से सांस्कृतिक संगठन बताता है। फ्रांस में हो रहे विरोध-प्रदर्शनों और अल्बानिया, नेपाल तथा बांग्लादेश में हाल के घटनाक्रमों के संदर्भ में भागवत के इस बयान पर कि सत्ता परिवर्तन न तो कभी हुआ है और न ही कभी होगा, खरगे ने राजनीतिक मामलों पर टिप्पणी करने के आरएसएस प्रमुख के अधिकार को ही चुनौती दे दी।

खरगे ने कहा कि सत्ता परिवर्तन संभव नहीं है क्योंकि उन्होंने चुनाव आयोग, चुनाव आयुक्त, मतदाता सूची, फॉर्म 6 और फॉर्म 7 पर कब्जा कर लिया है। क्या आप इसके बाद भारत में निष्पक्ष और स्वतंत्र चुनाव होने की उम्मीद कर सकते हैं? तो फिर, मुख्य चुनाव आयुक्त को न्यायिक छूट (जुडिशियल इम्युनिटी) की क्या जरूरत है? मोहन भागवत कौन होते हैं टिप्पणी करने वाले? उन्हें ही तय करने दें कि आरएसएस एक सांस्कृतिक संगठन है या राजनीतिक संगठन। वे सिर्फ राजनीति, आर्थिक स्थिति, रक्षा और विदेश नीति के बारे में बात करते

हैं। वे कहते हैं कि हमें पाकिस्तान के साथ करीबी संबंध बनाए रखने चाहिए। ये लोग कौन हैं? क्या इनका स्वरूप सांस्कृतिक है या राजनीतिक? उन्हें सांस्कृतिक संगठन होने का यह दिखावा छोड़ देना चाहिए, खुद को रजिस्टर कराना चाहिए और एक राजनीतिक संगठन के रूप में सामने आना चाहिए। कर्नाटक में आरएसएस के प्रस्तावित पथ



संचलन (रूट मार्च) के विषय पर, खरगे ने नियमों के पालन पर जोर देते हुए कहा कि कई जगहों पर वे कह रहे हैं कि वे पथ संचलन करने जा रहे हैं और पुलिस को इसकी जानकारी दे रहे हैं। उन्हें सिर्फ जानकारी नहीं देनी चाहिए। उन्हें अनुमति लेनी चाहिए ताकि जरूरी इंतजाम किए जा सकें। उन्होंने आगे

कहा कि पुलिस विभाग RSS के इशारे पर काम नहीं करता है। वे बस हमें यह कहकर सूचित नहीं कर सकते कि, 'हमने आपको जानकारी दे दी है। आप जरूरी इंतजाम कर लें। हम आएंगे और चले जाएंगे।' कई लोग अलग-अलग जगहों पर कार्यक्रम आयोजित करते हैं। अगर आप अनुमति मांगते हैं और अनुरोध उचित लगता है, तो हम अनुमति दे देंगे। हम मना नहीं करने वाले हैं। आरएसएस सहित सभी के लिए एक जैसे नियम लागू होते हैं। आरएसएस कानून या संविधान से ऊपर नहीं है। अगर उनके प्रस्तावित रूट मार्च को लेकर कोई समस्या है, तो स्थानीय अधिकारी बातचीत करके उसे सुलझा सकते हैं।

बेरोजगारी और असमानता पर भी बोलिए पीएम साहब : मनोज

4पीएम न्यूज नेटवर्क

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की देश के दुश्मनों के खिलाफ एकजुट होने की अपील पर राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के सांसद मनोज झा ने करारा तंज किया है। उन्होंने कहा कि विश्व देश के दुश्मनों के खिलाफ एकजुट होकर खड़ा है, लेकिन प्रधानमंत्री कुछ मुद्दों को चुनकर उन पर बात करते हैं, मनोज झा ने बेरोजगारी, आय की असमानता और सामाजिक सौहार्द में गिरावट

को भी देश के लिए बड़ी चुनौती बताया।

इन मुद्दों पर भी प्रधानमंत्री को बोलना चाहिए। मामले पर मुख्यमंत्री भगवंत मान ने झोटा की हत्या की गहन जांच का आश्वासन देते हुए कहा कि जांच के दौरान किसी भी साजिश का पता चलने पर उसका पर्दाफाश किया जाएगा। मनोज झा ने कहा कि वे प्रधानमंत्री की अपील के साथ हैं लेकिन उन्होंने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री चुनिंदा मुद्दों पर ही बोलते हैं।

जनता झेल रही बेरोजगारी और महंगाई रुपी रावण : प्रियंका

» कांग्रेस नेता बोलीं- सरकार के लिए कोई विशेष संदेश नहीं देना चाहतीं

4पीएम न्यूज नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने मंगलवार को कहा कि देश की जनता इस समय बेरोजगारी और महंगाई जैसी 'रावण रुपी' समस्याओं का सामना कर रही है तथा सत्य एवं असत्य के बीच जारी लड़ाई में उनकी पार्टी सत्य के लिए लड़ती रहेगी। वह विजयादशमी के अवसर पर दिल्ली



के लाल किला मैदान में आयोजित रावण दहन कार्यक्रम में शामिल हुईं।

प्रियंका ने कार्यक्रम से इतर संवाददाताओं से बातचीत में कहा कि यह राजनीति करने का अवसर नहीं है और

इसलिए वह सरकार के लिए कोई विशेष संदेश नहीं देना चाहतीं। उन्होंने यह भी कहा, "सिर्फ यह कहना चाहती हूं कि आज देश की जनता बेरोजगारी और महंगाई जैसी रावण रुपी समस्याओं का सामना कर रही है।" कांग्रेस महासचिव ने कहा कि आज सत्य और असत्य के बीच लड़ाई हो रही है, जिसमें वे सत्य के लिए लड़ रहे हैं और आगे भी लड़ते रहेंगे। उन्होंने लोगों से अपने जीवन में सत्य का साथ देने की अपील करते हुए सभी को विजयादशमी की शुभकामनाएं दीं।

कश्मीरे को सांस्कृतिक फंड मिले : महबूबा

4पीएम न्यूज नेटवर्क

श्रीनगर। बीजेपी के साथ बढ़ते राजनीतिक मतभेदों के बीच, एक अहम कदम उठाते हुए पीडीपी अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से जम्मू-कश्मीर के सांस्कृतिक क्षेत्र को पुनर्जीवित और मजबूत करने के लिए हस्तक्षेप की मांग की है। उन्होंने दूरदर्शन और आकाशवाणी पर स्थानीय कार्यक्रमों के लिए अलग से फंड देने और इस क्षेत्र के संघर्षरत कलाकारों के समुदाय को निरंतर संस्थागत समर्थन देने का आग्रह किया है।

अमित शाह को लिखे एक पत्र में, महबूबा ने इस बात पर जोर दिया कि जम्मू-कश्मीर के कलाकार, संगीतकार, लेखक, फिल्म निर्माता और सांस्कृतिक क्षेत्र से जुड़े लोग केवल कलाकार ही नहीं हैं, बल्कि वे यहां की समृद्ध विरासत के संरक्षक और सांस्कृतिक राजदूत भी हैं। वे भारत की मिली-जुली सांस्कृतिक पहचान, शांति और राष्ट्रीय एकता में अपना योगदान देते हैं।

दित्यांगता भी नहीं रोक पाई हौसला

» एशियन पैरा गेम्स 2026 : भारतीय पैरा-एथलीट प्रवीण कुमार और बंटी ने पुरुषों की हाई जंप लगाई छलंग

4पीएम न्यूज नेटवर्क

नई दिल्ली। बुधवार को एशियन पैरा गेम्स 2026 में, भारतीय पैरा-एथलीट प्रवीण कुमार और बंटी ने पुरुषों की हाई जंप टी-64 स्पर्धा में पहला और दूसरा स्थान हासिल किया, जबकि राकेशभाई भट्ट ने पुरुषों की 100 मीटर T37 फाइनल में कांस्य पदक जीता। दो बार के पैरालंपिक पदक विजेता प्रवीण ने 2.05 मीटर की छलांग लगाकर एशियन पैरा गेम्स का नया रिकॉर्ड बनाया और स्वर्ण पदक जीता।

वहीं, बंटी ने 1.92 मीटर की अपनी



अब तक की सर्वश्रेष्ठ छलांग के साथ रजत पदक हासिल किया। इस तरह भारत के लिए यह एक यादगार उपलब्धि रही, जिसमें देश के दो एथलीट पोलिडिम पर एक साथ नजर आए। प्रवीण ने शुरुआत

ट्रैक पर भारत को एक और मेडल मिला

ट्रैक पर भारत को एक और मेडल मिला। राकेशभाई भट्ट ने पुरुषों की 100 मीटर T37 फाइनल में 11.50 सेकंड का अपना सर्वश्रेष्ठ समय निकालते हुए तीसरा स्थान हासिल किया। सरूदी अरब के अली अलनाखली ने 11.31 सेकंड में गोल्ड मेडल जीता, जबकि इंडोनेशिया के सैटोयोगो पूर्णानो ने 11.35 सेकंड में सिल्वर मेडल अपने नाम किया। पैरा-तैराकी में, हिमांशु नंदन ने हीट में 1:21.52 का समय निकालकर पुरुषों की 100 मीटर बेस्टस्ट्रोक स्प्रॉ। फाइनल के लिए क्वालीफाई किया।

में 1.95 मीटर की ऊंचाई पार करके स्वर्ण पदक पक्का किया और गेम्स रिकॉर्ड की बराबरी की। इसके बाद, उन्होंने अपने पहले ही प्रयास में 2.00 मीटर की ऊंचाई पार की, और फिर अपने तीसरे प्रयास में

2.05 मीटर की ऊंचाई पार करके एक नया गेम्स रिकॉर्ड कायम किया। बंटी ने भी शानदार प्रदर्शन करते हुए 1.92 मीटर की ऊंचाई पार कर रजत पदक जीता और इस स्पर्धा में भारत का दबदबा सुनिश्चित किया। पैरा-बैडमिंटन में, नवीन शिवकुमार ने दक्षिण कोरिया के क्युंग ह्वान शिन को 26 मिनट में 21-14, 21-4 से हराकर पुरुषों की सिंगल्स एसएलवाई के सेमीफाइनल में जगह बनाई। उनके आगे बढ़ने से इस इवेंट में भारत का एक और मेडल पक्का हो गया है, क्योंकि पैरालंपिक मेडलिस्ट सुहास यथिराज भी पहले ही सेमीफाइनल में पहुंच चुके हैं। हालांकि, पुरुषों की सिंगल्स S5 कैटेगरी में रुथिक रघुपति का सफर क्वार्टर फाइनल में खत्म हो गया, जहां वे चीन के मिंगपान ली से 37 मिनट में 19-21, 14-21 से हार गए।

सुप्रीम कोर्ट ने लगाई ईडी को फटकार, कहा अपना काम करे

» सीएमआरएल मामले में विजयन को सुप्रीम राहत

» एक हफ्ते तक जांच पर रोक, चेतावनी

4पीएम न्यूज नेटवर्क

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को केरल के पूर्व मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन को कथित सीएमआरएल-एक्सालॉजिक मामले में राहत देते हुए उनके खिलाफ जांच पर एक सप्ताह के लिए रोक लगा दी। अदालत ने केरल हाईकोर्ट को निर्देश दिया कि वह इस मामले में एफआईआर दर्ज करने के एकल न्यायाधीश के आदेश के खिलाफ विजयन की अपील पर सुनवाई करे।

जॉयमाल्या बागची और जस्टिस वी. मोहना की पीठ विजयन, उनकी बेटी वीणा और उनके पति मोहम्मद रियास की याचिकाओं पर सुनवाई



कर रही थी। याचिकाओं में केरल हाईकोर्ट के उस आदेश को चुनौती दी गई है, जिसमें प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की ओर से साझा की गई जानकारी के आधार पर एफआईआर दर्ज करने का निर्देश दिया गया था। सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट के जल्दबाजी में आदेश देने पर भी सवाल उठाए। पीठ ने कहा कि राज्य सरकार पहले

ही मामले की प्रारंभिक जांच के लिए विशेष जांच दल (एसआईटी) गठित कर चुकी थी। ऐसे में विजयन का पक्ष सुने बिना एफआईआर दर्ज करने का निर्देश देने की जरूरत पर विचार किया जाना चाहिए था। सुनवाई के दौरान पीठ ने कहा कि एफआईआर दर्ज हो चुकी है और फिलहाल उसे बरकरार रहने दिया जाएगा, लेकिन

जांच पर रोक रहेगी। अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि मामले में जांच रोकने का फैसला हाईकोर्ट के आदेश और संबंधित कानूनी सवालों पर अपीलीय मंच के विचार करने तक लागू रहेगा। सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया कि एफआईआर को रद्द नहीं किया जा रहा है, लेकिन अपील पर फैसला होने तक जांच आगे नहीं बढ़ेगी। अदालत ने यह रोक विजयन को केरल हाईकोर्ट की खंडपीठ में अपील दायर करने और सुनवाई का अवसर देने के लिए लगाई है। 9 अक्टूबर को, एकल-न्यायाधीश पीठ ने राज्य सतर्कता और भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो को निर्देश दिया था कि वे श्रद्धा द्वारा पुलिस को भेजी गई एक रिपोर्ट के आधार पर आपराधिक मामला दर्ज करें। ईडी ने अपनी जांच के दौरान जुटाए गए सबूतों के आधार पर मामला दर्ज करने की मांग की थी।

सीएम फडणवीस कैबिनेट में बिश्नोई गैंग शामिल : राउत

» राज्यसभा सांसद बोले- एकनाथ शिंदे के मुख्यमंत्री बनने के रास्ते में आने वालों को खत्म कर दिया जाएगा

4पीएम न्यूज नेटवर्क



मुंबई। उद्धव बालासाहेब ठाकरे गुट के राज्यसभा सांसद संजय राउत ने महाराष्ट्र की देवेंद्र फडणवीस सरकार पर बड़ी टिप्पणी की है। महाराष्ट्र में बॉलीवुड हस्तियों को गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई की गैंग टारगेट कर रही है। इस बीच संजय राउत ने बड़ा दावा करते हुए कहा है कि बिश्नोई गैंग के सदस्य सीएम फडणवीस की कैबिनेट में भी शामिल हैं।

राउत का दावा है, मंत्री गुलाबराव पाटील ने कहा है कि अगर कोई एकनाथ शिंदे के मुख्यमंत्री बनने के रास्ते में आता है तो उसे खत्म कर दिया जाएगा। यह व्यक्ति देवेंद्र फडणवीस के मंत्रिमंडल का सदस्य है। फडणवीस के मंत्रिमंडल में लॉरेंस बिश्नोई गैंग के लोग बैठे हैं। संजय राउत ने सवाल किया, वे किसे खत्म करेंगे? देवेंद्र फडणवीस को? मुख्यमंत्री को? यह एक धमकी है। अगर गुलाबराव पाटील ने ऐसी धमकी दी है तो देवेंद्र फडणवीस क्या कर रहे हैं? क्या आप लॉरेंस बिश्नोई गैंग से डरे हुए हैं? आप राज्य के गृहमंत्री हैं देखिए कि आपके राज्य और आपके मंत्रिमंडल में क्या हो रहा है। शिवसेना से नेता शाइना एनसी ने संजय राउत के दावों पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। संजय राउत, अगर लॉरेंस बिश्नोई गैंग बीजेपी चलाती है तो सलमान खान को सिक्कोरिटी बीजेपी ने दी या आपने? टाइगर श्रॉफ के केस में मुंबई पुलिस किसकी है? लॉरेंस बिश्नोई गुजरात की साबरमती जेल में है। जेल पर कंट्रोल सेंटर और कोर्ट का है। क्या कोर्ट भी बीजेपी चलाती है? आपके हिसाब से हर संस्थान बीजेपी चलाती है तो खुद पर एफआईआर क्यों करेगी।

अब झोला उठाने का वक्त आ गया : जयराम

» कांग्रेस नेता बोले- पीएम-दक्ष योजना लागू करने में नाकाम

4पीएम न्यूज नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस ने पीएम-दक्ष योजना के क्रियान्वयन में कथित कमियों को लेकर केंद्र सरकार पर हमला बोला है। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने आरोप लगाया कि दो साल तक योजना लागू नहीं होने और पहले आवंटित धन का इस्तेमाल न किए जाने से वंचित वर्गों को कौशल प्रशिक्षण और रोजगार के अवसर देने का उद्देश्य प्रभावित हुआ है।

कांग्रेस ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर पीएम-दक्ष योजना को लागू करने में कथित खामियों को लेकर निशाना साधा। पार्टी ने



कहा कि जो सरकार एक योजना को भी प्रभावी ढंग से लागू नहीं कर सकती, उसे सत्ता में बने रहने का नैतिक अधिकार नहीं है। विपक्षी पार्टी ने प्रधानमंत्री पर तंज कसते हुए कहा कि उनकी सरकार की विदाई की तारीख करीब आ गई है और अब झोला उठाने का वक्त आ गया है। कांग्रेस महासचिव और संचार प्रभारी जयराम रमेश ने मोडिया की एक खबर का स्क्रीनशॉट साझा किया। इसमें दावा किया गया था कि प्रधानमंत्री दक्षता और कुशलता संपन्न हितग्राही (पीएम-दक्ष) योजना को लागू करने में गंभीर खामियां सामने आई हैं।

सौरव-रांका से हाईकोर्ट के पूछे तीखे सवाल

4पीएम न्यूज नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने सीजेपी नेता सौरव दास, आशुतोष रांका और आइसा अध्यक्ष नेहा बोरा की याचिकाओं पर सुनवाई की मांग पर सहमति जताई। सीजेपी के कार्यकर्ता सौरव दास और आशुतोष रांका ने विशेष कार्यकारी मजिस्ट्रेट (एसईएम) अदालत के उस आदेश को उच्च न्यायालय में चुनौती दी है, जिसमें उन्हें 21 अक्टूबर तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया था। आज उनकी न्यायिक हिरासत की अवधि समाप्त हो रही है।

हाई कोर्ट इस मामले की सुनवाई आज (बुधवार) करने के लिए सहमत हो गया। दिल्ली हाईकोर्ट के जज सुब्रमण्यम प्रसाद की पीठ मामले की सुनवाई की। याचिकाकर्ताओं की ओर से अधिवक्ता अभिक चिम्नी और दिल्ली पुलिस की



» बोली अदालत-जंतर-मंतर डीनोटिफाई था तो वहां गए क्यों?, कहा- आप जेनजी तो नहीं

ओर से अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल चेतन शर्मा पेश हुए। याचिकाकर्ताओं ने 11 अक्टूबर को शांति बनाए रखने का बॉन्ड दिया था। जंतर मंतर को प्रदर्शन स्थल के रूप में डिनोटिफाई किए जाने के

बाद वे वहां गए और कथित तौर पर बैरिकेड तोड़ा। अदालत ने पूछा कि बॉन्ड तोड़ने के बाद एसईएम अदालत में नियत प्रक्रिया का पालन करने के बजाय सीधे अनुच्छेद 226 के तहत हाईकोर्ट आने की जरूरत क्या है। अदालत ने सुझाव दिया कि दोपहर दो बजे एसईएम अदालत की कार्यवाही का इंतजार किया जा सकता है और जरूरत पड़ने पर बाद में रिवीजन याचिका दायर की जा सकती है। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने टिप्पणी की कि अगर मकसद सत्ता परिवर्तन है, तो इसे चुनावों के जरिए ही हासिल किया जाना चाहिए। अदालत ने पूछा आपकी उम्र क्या है? सीजेपी नेताओं के वकील चिमिनी ने बताया कि सौरव 27 साल का है और आशुतोष 32 साल का है। जिसपर कोर्ट ने कहा कि तो फिर आप जेन-जी नहीं हैं।

सरकार विपक्ष को बदनाम करने के मौके में रहती है : खरगे

» कांग्रेस अध्यक्ष ने भाजपा सरकार पर साधा निशाना

» बोले- परिसीमन का इंतजार किए बिना, सदन की मौजूदा संख्या के आधार पर महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण लागू कर सकती है

4पीएम न्यूज नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष और राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने बुधवार को कहा कि सरकार परिसीमन का इंतजार किए बिना, सदन की मौजूदा संख्या के आधार पर महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण लागू कर सकती है। कर्नाटक के कलबुर्गी में

बोलते हुए, उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर इस मुद्दे को लेकर जनता को गुमराह करने का आरोप लगाया। खरगे ने कहा कि आप महिलाओं के लिए एक-तिहाई आरक्षण अभी लागू कर सकते हैं। सदन की मौजूदा संख्या या वर्तमान परिसीमन को देखते हुए, आप आसानी से एक-तिहाई सीटें उनके लिए आरक्षित कर सकते हैं।

आपको कौन रोक रहा है? उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार विपक्ष को बदनाम करने के लिए इस मामले का इस्तेमाल कर रही है। उन्होंने इस बात पर जोर

दिया कि कांग्रेस ने पहले भी इस कानून का समर्थन किया था। सितंबर 2023 में संसद के एक विशेष सत्र में पारित नारी शक्ति वंदन अधिनियम के जरिए संविधान में संशोधन किया गया, ताकि लोस, राज्य विस और दिल्ली विस में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत सीटें आरक्षित की जा सकें।

यह पूरी तरह से दूसरों को बदनाम करने और विपक्ष की छवि खराब करने की एक चाल है। अगर हमें इसका विरोध ही करना होता, तो हम पहले इस कानून को पास कराने की कोशिश क्यों करते? यह प्रधानमंत्री मोदी की एक और चाल है; वे झूठ बोलकर जनता को गुमराह



विधेयक लाने से पहले सभी दलों की एक बैठक बुलाई जाए

खरगे ने याद दिलाते हुए कहा कि आपको शायद याद होगा कि नौन सबसे पहले 11 अप्रैल 2026 को आपको पत्र लिखकर आवाह किया था कि परिसीमन से जुड़ा कोई भी संवैधानिक संशोधन विधेयक लाने से पहले सभी दलों की एक बैठक बुलाई जाए। आपने ऐसा नहीं किया। इसके बाद, 14 अप्रैल 2026 को देर शाम आपने इन विधेयकों को सार्वजनिक किया और 16 अप्रैल 2026 को एक विशेष सत्र बुलाया। परिसीमन से जुड़ा यह संवैधानिक संशोधन विधेयक 17 अप्रैल 2026 को लोकसभा में जरूरी दो-तिहाई बहुमत हासिल नहीं कर सका और स्पष्ट अंतर से गिर गया।

करते हुए अपने इस एजेंडे को आगे बढ़ाना चाहते हैं। उन्होंने सरकार के उस पिछले प्रयास का जिक्र किया, जिसमें अप्रैल 2026 में परिसीमन संवैधानिक संशोधन विधेयक पेश करने की कोशिश की गई थी।